मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 190
शुक्रवार, 23 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

डोडा में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरा सेना का ट्रक, 10 वीर जवानों ने गंवाई जान, 9 घायल

कश्मीर, 22 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले से एक बहुत ही दुखद समाचार सामने आया है। बृहस्पतिवार को भारतीय सेना का एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। इस भीषण दुर्घटना में 10 जवानों की मौत हो गई है, जबकि 9 अन्य जवान घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। सेना का वाहन नियमित आवाजाही के दौरान पहाड़ी रास्ते पर अचानक सड़क से फिसल गया और सीधे गहरी खाई में जा गिरा।

अधिकारियों ने बताया कि बुलेट-प्रूफ सेना का वाहन, जिसमें कुल 17 जवान सवार थे, एक ऊँची पोस्ट की ओर जा रहा था, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वाहन 200 फुट गहरी खाई में गिर गया।

सेना और पुलिस द्वारा तुरंत एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया और अधिकारियों ने बताया कि चार जवानों के शव मिले।

उन्होंने बताया कि नौ अन्य जवानों को घायल हालत में बचाया गया और उनमें से तीन, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं, उन्हें विशेष इलाज के लिए उधमपुर सैन्य अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया।

एलजी मनोज सिन्हा ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ₹डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।₹

उन्होंने आगे कहा, ₹इस गहरे दुख की घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। 10 घायल जवानों को अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम संभव इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। देश के लिए बड़ी क्षतिः दुर्गम क्षेत्रों में देश की रक्षा में तैनात इन वीर जवानों की शहादत पर पूरा देश शोक व्यक्त कर रहा है। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, खराब मौसम या फिसलन भरे रास्ते को हादसे का कारण माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की स्टील फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 6 मजदूरों की मौत की आशंका, 10 से अधिक घायल

छत्तीसगढ़, 22 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से एक भीषण औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ एक स्टील फैक्ट्री की चालू यूनिट में हुए जोरदार धमाके में कम से कम 6 श्रमिकों की मौत की आशंका है, जबकि 10 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है और राज्य में औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह धमाका बकुलाही स्थित रियल इस्पात स्टील प्लांट में हुआ, जब एक कोयला भट्टी में अचानक धमाका हो गया और घटना के समय मजदूरों का एक ग्रुप भट्टी के आसपास सफाई का काम कर रहा था। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके के बाद गर्म कोयले और आग की लपटों के सीधे संपर्क में आने से पीड़ितों को

जानलेवा जलने की चोटें आईं। धमाके के तुरंत बाद घायल मजदूरों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया, हालांकि घायलों की सही संख्या की अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

प्लांट मैनेजमेंट ने अभी तक धमाके के कारण या घायल मजदूरों की हालत के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इसके अलावा, अधिकारी प्लांट में सेफ्टी प्रोटोकॉल और उन परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं जिनके कारण भट्टी में धमाका हुआ।

चाईबासा मुठभेड़ में 15 नक्सली ढेर, 1 करोड़ का इनामी 'अनल दा' भी मारा गया

चाईबासा, 22 जनवरी। झारखंड के चाईबासा जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े अभियानों में से एक को अंजाम दिया है। झारखंड पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त कार्रवाई में 15 नक्सली मारे गए हैं। इस मुठभेड़ की सबसे बड़ी सफलता 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल दा का खात्मा है। यह मुठभेड़ चाईबासा के घने जंगल इलाके में हुई, जब सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान, नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी भारी जवाबी फायरिंग की। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी में 15 नक्सली मारे गए। बड़ी मात्रा

में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद होने की आशंका है। इलाके में अभी भी तलाशी अभियान जारी है और सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है ताकि कोई भी नक्सली भाग न सके। अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। सुरक्षा बलों को अंदेशा है कि कुछ और नक्सली घायल अवस्था में जंगल के भीतर छिपे हो सकते हैं। चाईबासा के इन घने जंगलों में अभी भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि किसी भी नक्सली को भागने का मौका न मिले। झारखंड में नक्सलवाद की कमर तोड़ने की दिशा में इसे एक ऐतिहासिक सफलता माना जा रहा है। अनल दा जैसे बड़े कमांडर का मारा जाना नक्सली संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस सफल ऑपरेशन के लिए जवानों के साहस की सराहना की है।

डोडा में दर्दनाक हादसाः 10 जवानों की शहादत पर पीएम मोदी और राजनाथ सिंह ने जताया गहरा दुख

नई दिल्ली, 22 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए दुखद सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया, जिसमें 10 सेनाकर्मियों की जान चली गई। डोडा में हुए दुखद सड़क हादसे से मैं बेहद दुखी हूं, जिसमें हमने भारतीय सेना के 10 बहादुर जवानों को खो दिया। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जवानों को चिकित्सा सहायता दी जा रही है और सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस कठिन घड़ी में पूरा देश हमारे सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है। भारतीय सेना ने बताया कि डोडा में खराब मौसम और दुर्गम रास्तों पर चलते समय जवानों को ले जा रहा एक सैन्य वाहन सड़क से फिसल गया। दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, डोडा के आसपास के इलाके में खराब मौसम और दुर्गम रास्तों पर चलते समय एक सैन्य वाहन, जिसमें एक अभियान के लिए सैनिक सवार थे, सड़क से फिसल गया। इस दुर्घटना में कई लोग हताहत हुए हैं, जिनमें से कुछ की मृत्यु हो गई है। घायलों को आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक सड़क दुर्घटना में दस सेनाकर्मी शहीद हो गए और इतने ही जवान घायल हो गए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यालय ने यह जानकारी दी। उपराज्यपाल कार्यालय के एक संदेश में कहा गया डोडा में एक

दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे दस बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से हम बेहद दुखी हैं। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। संदेश में आगे कहा गया, इस गहरे दुख की घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। दस घायल सैनिकों को अस्पताल ले जाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह हादसा भदेरवाह के खानी टॉप इलाके में हुआ, जिसके बाद तुरंत बचाव और राहत अभियान शुरू किए गए। घटना के तुरंत बाद, सेना और स्थानीय प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और दुर्गम भूभाग और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद बचाव कार्य शुरू किया।

भरूच पुलिस मुख्यालय में महिला कांस्टेबल ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

भरूच। गुजरात के भरूच जिले में पुलिस मुख्यालय स्थित अपने आवास पर 27 वर्षीय एक महिला कांस्टेबल ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात को हुई इस घटना के बाद एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है, जिसकी अभी जांच की जानी है। पुलिस के अनुसार, कांस्टेबल प्रीति परमार (27) ने अपने आवासीय क्वार्टर मेंछत पर लगे पंखे से कथित तौर पर फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस उपाधीक्षक अक्षयराज मकवाना ने कहा कि एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है और अभी उसकी जांच की जानी है। परमार के फोन करने संबंधित जानकारी तथा चैट विवरण निकालने के लिए उनका मोबाइल फोन विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेज दिया गया है।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर जांच के दौरान मिला नरकंकाल, पुलिस ने फोरेंसिक जांच के लिए भेजा

नई दिल्ली, 22 जनवरी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सुरक्षाकर्मियों ने नियमित सामान जांच के दौरान एक मानव कंकाल जैसा कुछ पाया, जिससे तत्काल अलर्ट जारी हुआ और हवाई अड्डे को खाली कराया गया। हवाई अड्डे की सुरक्षा और दिल्ली पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने और जांच शुरू करने के लिए तुरंत हस्तक्षेप किया। यात्रियों की बढ़ती चिंता के बीच घटी इस घटना को जल्द ही एक मेडिकल छात्र से संबंधित हानिरहित शैक्षिक उपकरण बताकर खारिज कर दिया गया। सामान्य सुरक्षा जांच के दौरान, टी3 पर एक यात्री के बैग में स्कैनर ने एक संदिग्ध वस्तु को चिह्नित किया, जिससे पता चला कि उसमें मानव हड्डियों से मिलते-जुलते कंकाल के अवशेष थे। पास में मौजूद यात्री तस्करी या इससे भी बदतर किसी घटना के डर से घबरा गए, जिससे अस्थायी रूप से अफरा-तफरी मच गई और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई। सुरक्षा टीमों ने इलाके को घेर लिया और किसी भी आपराधिक संलिप्तता का पता लगाने के लिए गहन जांच हेतु दिल्ली पुलिस को बुलाया। इस घटना ने दिल्ली के सबसे व्यस्त टर्मिनल जैसे उच्च यातायात वाले केंद्रों में नियमित सतर्कता और जनता के भय के बीच की बेहद नाजुक स्थिति को उजागर किया।पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में पता चला कि कंकाल एक वास्तविक प्रदर्शन मॉडल था, जिसका उपयोग आमतौर पर मेडिकल छात्र शरीर रचना विज्ञान के प्रशिक्षण के लिए करते हैं।

सिवान में अवैध पटाखा इकाई में विस्फोट, एक की मौत, तीन घायल

सिवान। बिहार के सिवान जिले में एक अवैध पटाखा निर्माण इकाई में बृहस्पतिवार को विस्फोट होने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह विस्फोट हुसैनगंज प्रखंड के बरगाम गांव में मुरतजा अंसारी के घर में हुआ, जहां अवैध रूप से पटाखे बनाये जा रहे थे। एक अधिकारी ने बताया, विस्फोट की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। अंसारी मृत पाया गया जबकि उसके परिवार के तीन सदस्य घायल थे। उन्होंने बताया, सभी घायलों को एक नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस: 24 जनवरी 2026

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरूआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है।

आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है-बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं, किस दिशा में बढ़ रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निमार्ता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध, शोषण, यौन हिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पीड़न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं।

नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश है कि जब तक बालिका शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होगी, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उनकी व्यापक सोच बालिका को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय सहभागी मानती है। यही कारण है कि आज की बालिकाएं आत्मविश्वास के साथ विज्ञान, खेल, प्रशासन और उद्यमिता में आगे बढ़ रही हैं और आने वाला भारत नारी-शक्ति के नेतृत्व में संतुलित, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरता दिखाई देता है। समस्या की जड़ केवल अपराधी नहीं, बल्कि वह सोच है जो बालिका को कमजोर, पराधीन और सहनशील मानती है। यह सोच परिवार से शुरू होकर समाज और संस्थानों तक फैलती है। बेटा-बेटी में भेद, आज भी कई घरों में संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता के वितरण में दिखाई देता है। बालिकाओं को संस्कार के नाम पर चुप रहना सिखाया जाता है, जबकि बालकों को अधिकार और स्वच्छंदता। यही असमान सामाजिक प्रशिक्षण आगे चलकर हिंसा और शोषण को जन्म देता है। आज जरूरत है एक नए सामाजिक दृष्टिकोण की-ऐसे दृष्टिकोण की, जिसमें अपराध के बाद की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि अपराध से पहले की रोकथाम केंद्र में हो। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं पर हो रहे अत्याचार केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक पराजय हैं। कानून सख्त हों, यह आवश्यक है, पर उससे भी अधिक आवश्यक है सामाजिक चेतना का परिवर्तन। जब तक हम पीड़िता से प्रश्न पूछते रहेंगे, उसके कपड़े, उसका समय, उसकी स्वतंत्रता-तब तक अपराधियों का मनोबल टूटेगा नहीं। इसी के साथ बालिकाओं और महिलाओं को भी अपनी सोच को नए सिरे से गढ़ना होगा। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और वैचारिक भी होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। बालिकाओं को यह सिखाना होगा कि वे अपने अधिकारों को पहचानें, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं और स्वयं को किसी भी रूप में कमतर न मानें। आज की बालिका को सहनशील नहीं, सजग और सशक्त बनाना समय की मांग है।

शासन और प्रशासन की भूमिका भी इस परिवर्तन में निर्णायक है। योजनाएं तभी प्रभावी होंगी, जब वे जमीनी स्तर तक पहुंचें और उनका क्रियान्वयन संवेदनशीलता के साथ हो। पुलिस, न्यायपालिका, शिक्षा तंत्र और स्वास्थ्य व्यवस्था-सभी में जेंडर संवेदनशीलता को अनिवार्य बनाना होगा। फास्ट ट्रैक न्याय, पीड़िता केंद्रित प्रक्रियाएं और मानसिक परामर्श जैसी व्यवस्थाएं केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन उत्पीड़न से निपटने के लिए भी विशेष रणनीति आवश्यक है। साथ ही, पुरुषों और बालकों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। बालकों को बचपन से ही सम्मान, सह-अस्तित्व और समानता के मूल्य सिखाने होंगे। जब पुरुष स्वयं को रक्षक नहीं, बल्कि सहयात्री मानेंगे, तभी समाज में वास्तविक संतुलन आएगा। पितृसत्ता की जड़ें तभी कमजोर होंगी, जब परिवार में पिता और मां दोनों समान रूप से बालिका की क्षमताओं पर विश्वास करेंगे। आजादी के अमृत काल में भारत जिस विकसित राष्ट्र की परिकल्पना कर रहा है, वह तब तक पूर्ण नहीं हो सकती, जब तक उसकी आधी आबादी भय, भेदभाव और असुरक्षा में जीती रहे। बालिका केवल भविष्य की नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान की निमार्ता है। उसकी शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण में किया गया निवेश, राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। जब एक बालिका सुरक्षित, शिक्षित और आत्मविश्वासी होती है, तब वह केवल अपना जीवन नहीं बदलती-वह पीढ़ियों का भविष्य संवार देती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 पर यह संकल्प आवश्यक है कि हम केवल नारों और दिवस-विशेष की औपचारिकताओं तक सीमित न रहें। हमें अपने घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और समाज में व्यवहारिक परिवर्तन लाना होगा। सोच बदलनी होगी-बालिका को दया या संरक्षण की नहीं, सम्मान और समान अवसर की जरूरत है। जब समाज, शासन और स्वयं बालिकाएं मिलकर इस परिवर्तन की जिम्मेदारी उठाएंगी, तब निश्चित ही आजादी के अमृत काल में भारतीय बालिका राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर पर अपनी भूमिका निभाती दिखाई देगी-न केवल प्रतीक के रूप में, बल्कि शक्ति, विवेक और भविष्य की दिशा तय करने वाली निर्णायक शक्ति के रूप में।

खेतों में लहराई सरसों, आंगन में उतरा वसंत, झूम रहा भारत

खेतों में लहराई सरसों, आंगन में उतरा वसंत, यह केवल एक पंक्ति नहीं, ग्रामीण भारत की पूरी ऋतु-गाथा है। यह वह क्षण है, जब धरती अपने श्रम का प्रतिफल मुस्कान में बदल देती है और गांव की हर सांस में उल्लास घुल जाता है। ज्यों ही बसंती बयार बहती है, खेतों में सरसों पीली हंसी बिखेर देती है। दूर-दूर तक फैली वह पीली चादर मानो किसान के वर्षों पुराने भरोसे की गवाही देती है। हल की धार से उगी उम्मीदें अब फूल बनकर झूम रही होती हैं। मिट्टी महक उठती है, वैसी ही सोंधी महक, जो केवल गांव की धरती ही रच सकती है। आंगन में वसंत का उतरना किसी उत्सव से कम नहीं। सुबह की धूप जब तुलसी चौरे पर पड़ती है, तो लगता है जैसे घर-घर लक्ष्मी का वास हो गया हो। चूल्हों पर बसंती पकवान चढ़ते हैं, हाथों में पीले धागे बंधते हैं और मन में नई शुरूआत का विश्वास जाग उठता है। गांव की स्त्रियां लोकगीतों में फागुन को आमंत्रित करती हैं और बच्चे खुले आकाश के नीचे खिलखिलाते हुए वसंत का स्वागत करते हैं। पेड़ों पर आम की बौर आने लगती है। कोयल की कूक जैसे कहती है, अब समय है प्रेम का, सृजन का, आगे बढ़ने का। सर्दी की जड़ता टूट चुकी होती है और जीवन फिर से गति पकड़ लेता है। पशु-पक्षी, नदी-नाले, पेड़-पौधे, सब इस ऋतु में एक साझा उल्लास के सहभागी बन जाते हैं

-सुरेश गांधी

वसंत गांवों में केवल ऋतु नहीं होता, वह जीवन का उत्सव होता है। यह वह समय है, जब किसान अपने खेत को देखकर भविष्य की रेखाएं पढ़ता है, जब श्रम को सम्मान मिलता है और प्रकृति मनुष्य के सबसे करीब आ जाती है। न दिखावा, न आडंबर, बस मिट्टी, मेहनत और मुस्कान। इसीलिए कहा गया है, जब खेतों में सरसों लहराती है, तभी आंगन में वसंत उतरता है। और जब वसंत उतरता है, तब गांव केवल गांव नहीं रहता, वह आशा, प्रेम और जीवन का सबसे सुंदर चित्र बन जाता है। मतलब साफ है वसंत केवल ऋतु नहीं है, वह सनातन चेतना का उत्सव है। यह वह क्षण है जब प्रकृति अपने मौन को तोड़कर बोलने लगती है, जब धरती का कण-कण मधुरस से भर उठता है और जीवन फिर से मुस्कुराने लगता है। शिशिर की कठोरता और पतझड़ की उदासी के बाद वसंत का आगमन मानो सृष्टि का पुनर्जन्म है, जहां सूनी डालियों पर कोंपलें फूटती हैं, सरसों के खेत स्वर्णिम हो उठते हैं और आम की बौर से हवाएं इठलाने लगती हैं। बसंत पंचमी इसी सनातन प्रवाह की उजली घोषणा है। यह दिन केवल मां सरस्वती की आराधना का नहीं, बल्कि विवेक, सृजन और संतुलन के पुनर्स्मरण का पर्व है।

भारतीय दर्शन में वसंत को ऋतुराज कहा गया है, क्योंकि इसमें न अति शीत है, न अति ताप, यही संतुलन जीवन का भी आधार है। यही कारण है कि श्रीकृष्ण ने गीता में स्वयं को ऋतुओं में वसंत कहा। वसंत आते ही केवल प्रकृति ही नहीं, मनुष्य, पशु-पक्षी और संपूर्ण धरती रोमांचित हो उठते हैं। भंवरे गुनगुनाने लगते हैं, कोयल की कूक गूंजने लगती है और गांवों की पगडंडियों पर फाग-चैती के लोकगीत बहने लगते हैं। कहीं होली की रंगीन छींटें उड़ती हैं, तो कहीं खेतों में मेहनत का उत्सव पकने लगता है। वसंत जीवन को उत्सव बनाता है, साधना को सौंदर्य देता है और परंपरा को नई ऊर्जा। यही वसंत है, जो प्रकृति को निखारता है, मनुष्य को जोड़ता है और सनातन भारत की आत्मा को फिर से जगा देता. बसंत पंचमी का सूरज जब गांव की कच्ची पगडंडियों पर उतरता है, तो वह केवल रोशनी नहीं लाता, वह सदियों पुरानी स्मृतियों को जगा देता है। यह वह दिन है जब धरती सिर्फ हरी नहीं होती, गाने लगती है. खेतों में लहराती सरसों, मानो ढोलक की थाप पर पीली चुनरी लहराकर, नृत्य कर रही हो। आंगन में बैठी दादी, अनायास ही गुनगुनाने लगती है, आइल बसंत बहार, पीली चुनरिया ओढ़े धरती हमार... ग्रामीण भारत में बसंत पंचमी कैलेंडर की तारीख नहीं, लोकगीतों में उतर आई ऋतु है।

बसंत पंचमी हमें याद दिलाती है कि सनातन दर्शन भाषणों में नहीं, लोकगीतों में जीवित है। जब तक गांव गाएगा, धरती हरेगी, पशु-पक्षी चहचहाएंगे, तब तक यह संस्कृति अमर है। मतलब साफ हे वसंत पंचमी ग्रामीण भारत की वह तान है जिस पर पूरा जीवन नृत्य करता है, और उसी लय में होली के रंग मन को रोमांचित कर देते हैं।

मैं ऋतुओं में न्यारा वसंत, मैं अग-जग का प्यारा वसंत।

मेरी पगध्वनि सुन जग जागा, कण-कण ने छवि मधुरस मांगा...

कवयित्री महादेवी वर्मा की ये पंक्तियां मानो वसंत ऋतु का आत्मकथ्य हों। उनकी कविता स्वप्न से किसने जगाया में वसंत केवल एक ऋतु नहीं, बल्कि चेतना का जागरण, जीवन का पुनर्जन्म और प्रकृति की मुस्कान बनकर उपस्थित होता है। वसंत के आते ही जैसे धरती की नाड़ी में फिर से रस दौड़ने लगता है। वसंत वह समय है जब मौसम और प्रकृति में होने वाले सुंदर, कोमल और संतुलित परिवर्तन मनुष्य को सकारात्मक ऊर्जा से भर देते हैं। पतझड़ के बाद ठूंठ हो चुके पेड़-पौधे फिर से पत्तियों और फूलों से सज उठते हैं। सूनी डालियों पर नई कोंपलें फूटती हैं और उन्हीं कोंपलों की सुगंध में भंवरे और मधुमक्खियां अपने जीवन की नई धारा तलाशने पहुंचती हैं। यह दृश्य केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि आशा का दर्शन है। यही कारण है कि वसंत को शृंगार की ऋतु और ऋतुओं का राजा कहा गया है। इसका गूढ़ अर्थ हमें श्रीमद्भगवद्गीता में मिलता है, जहां भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, ऋतूनां कुसुमाकरः, अर्थात ऋतुओं में मैं वसंत हूँ। यह कथन स्पष्ट करता है कि वसंत केवल मौसम नहीं, बल्कि सृजन, सौंदर्य और मनुष्यत्व की नयी शुरूआत का प्रतीक है।

भारतीय साहित्य की लगभग सभी भाषाओं में वसंत का उत्सव दिखाई देता है। संस्कृत के ऋतु-वर्णनों से लेकर अवधी-ब्रज के फाग, उर्दू की गजलों के मौसम-ए-गुल और आधुनिक हिंदी कविता तक, हर जगह वसंत प्रेम, उल्लास और उन्माद का पर्याय बनकर उपस्थित है। न अधिक ठंड, न तीखी गर्मी, दोनों के संतुलन से जन्मा यह सम-मौसम ही मौसम-ए-गुल कहलाता है। इस समन्वित मौसम में केवल प्रकृति ही नहीं, जीव-जंतु और मनुष्य भी एक-दूसरे के निकट आते हैं। खेतों में फसलें पककर तैयार होती हैं, आम की डालियाँ मंजरी से लद जाती हैं और बाग-बगीचे रंग-बिरंगे फूलों से सज जाते हैं। गांवों में लोकगीत गूंजने लगते हैं, तो शहरों में भी मन अनायास हल्का हो जाता है। आधुनिक संस्कृति में प्रेम के बदलते रूपों के कारण युवा पीढ़ी इस समय को वेलेंटाइन वीक के रूप में भी मनाती दिखाई देती है। परंतु भारतीय परंपरा में वसंत का प्रेम केवल व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि समष्टि-केंद्रित है, प्रकृति से प्रेम, जीवन से प्रेम और सृजन से प्रेम। वसंत वास्तव में जीवन की स्फूर्ति और चेतना का काल है। इसलिए भारतीय सभ्यता के आरंभ से ही वसंत के गीत गाए जाते रहे हैं। यह ऋतु मनुष्य की जिजीविषा, उसके आगे बढ़ने के साहस और भीतर छिपी संभावनाओं का प्रतीक है। वसंत वन के उल्लास की ऋतु है, और वही उल्लास मनुष्य के भीतर उतरकर उसे नई दृष्टि, नया संकल्प और नया उत्साह प्रदान करता है। वसंत आता है और हमें याद दिलाता है कि हर पतझड़ के बाद हरियाली संभव है, हर मौन के बाद गीत संभव है, और हर थकान के बाद उत्सव।

सनातन दर्शन और गांव का जीवन

सनातन दर्शन, ग्रंथों में कम, गांव के जीवन में अधिक बसता है। यह दर्शन किसान के हल में है, चरवाहे की बांसुरी में है, और उस लोकगीत में है, जो बिना लिखे, पीढ़ियों से चला आ रहा है। जब गांव में कहा जाता है, जैसी करनी, वैसी भरनी तो वह कोई नीति वाक्य नहीं, सनातन का जीवंत सूत्र होता है। बसंत पंचमी

इसी दर्शन का उत्सव है।

लोकगीतों में उतरता वसंत

जैसे ही माघ की ठंड ढलती है, गांवों में फाग की तान, हवा में घुलने लगती है, फागुन आयो रे सजन, रंग रसिया संग लायो रे.. यह गीत केवल मनोरंजन नहीं, यह जीवन की स्वीकृति है। यह बताता है कि संघर्ष के बाद उत्सव भी जरूरी है। तप के बाद रंग भी जरूरी हैं। सनातन दर्शन इसी संतुलन का नाम है।

पशु-पक्षी भी गुनगुनाते हैं बसंत

बसंत पंचमी के दिन गांव का नजारा कुछ और ही होता है। गायें सुबह की धूप में अलग ही शांति से बैठती हैं। बछड़े मिट्टी में लोटकर खुशी जाहिर करते हैं। पेड़ों पर गौरैया, मैना, तोता सब जैसे किसी अदृश्य राग में ताल मिलाए हों। कोयल की कूक तो मानो पूरा लोकगीत हो, कुहू-कुहू... जिसका अर्थ हर गांव वाला समझता है, आया है वसंत। सनातन संस्कृति इसीलिए कहती है, यह धरती केवल मनुष्य की नहीं, साझा परिवार है। मतलब साफ है वसंत केवल मनुष्य का पर्व नहीं। यह ऋतु धरती पर रहने वाले हर प्राणी के लिए उत्सव लेकर आती है। गायों की चाल में अलग ही फुर्ती होती है। बछड़े उछलते हैं। कुत्ते धूप में आंखें मूंदकर सुख का अनुभव करते हैं। पेड़ों पर चिड़ियों की चहचहाहट तेज हो जाती है। कोयल की कूक मानो घोषणा करती है, जीवन फिर से रंगीन हो गया है।

आम की बौर और स्त्रियों के गीत

बसंत पंचमी के आसपास जब आम की बौर आती है, तो गांव की स्त्रियां खेत-खलिहान से लौटते हुए धीरे-धीरे गाने लगती हैं, ह्वअमवा में बौर आयी सखि, साजन की सुधि लायि...ह्व इन गीतों में विरह भी है, आशा भी है, और जीवन की कोमल सच्चाई भी। सनातन दर्शन स्त्री को केवल भूमिका नहीं, सृजन की शक्ति मानता है। इसीलिए बसंत पंचमी मां सरस्वती का पर्व है, जहां ज्ञान करुणा से जुड़ा है। मतलब साफ है आम की बौर केवल फूल नहीं होती। वह भविष्य का वादा होती है। सनातन संस्कृति में हर फूल फल की आशा के साथ खिलता है। इसीलिए यहां कर्म और फल अलग नहीं माने गए। बसंत पंचमी यही संदेश देती है, जो आज बोया जाएगा, वही कल काटा जाएगा।

मां सरस्वती और लोकबुद्धि

ग्रामीण भारत में सरस्वती सिर्फ किताबों में नहीं। वह उस कहावत में है, ह्वबात वही कहो जो मन में बैठेह्व वह उस बुजुर्ग में है जो कम बोलकर सही बोलता है। बसंत पंचमी के दिन जब बच्चे पीली स्लेट पर पहला अक्षर लिखते हैं, तो वह शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं, जीवन के लिए होती है। सनातन दर्शन ज्ञान को अहंकार नहीं, विवेक बनाता है।

बसंत से होली : रंगों की तैयारी

बसंत पंचमी रंगों का बीज बोती है। सरसों का पीला, पलाश का केसरिया, और फूलों की सुगंध, धीरे-धीरे होली की ओर बढ़ते हैं। गांवों में फाग गूंजने लगता है, ढोलक बजने लगती है। फाग गाए जाते हैं। और जीवन थोड़ी शरारत सीख लेता है। ह्वखेले मसाने में होरी, दिगंबर खेले होरी...ह्व यह गीत मृत्यु और जीवन के बीच डर को तोड़ देता है। सनातन दर्शन मृत्यु से भागता नहीं, उसे जीवन का अंग मानता है।

होली की छींट : जीवन का निर्भय उल्लास

बसंत पंचमी संयम है, होली उन्मुक्तता। पर दोनों विरोधी नहीं, पूरक हैं। होली की छींट बसंत पंचमी से ही हवा में तैरने लगती है। यह छींट सिखाती है कि जीवन केवल नियम नहीं, रस भी है। मयार्दा भी, और मस्ती भी। जीवन केवल तप नहीं, उत्सव भी है। जब गांव में बुजुर्ग, युवा, बच्चे एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो समाज क्षण भर को बराबर हो जाता है। यही सनातन का सबसे सुंदर सत्य है।

प्रकृति और मानव : टूटता रिश्ता

आधुनिक मनुष्य बसंत को भी कैलेंडर की तारीख मानने लगा है। वह भूल गया है कि ऋतुएं केवल मौसम नहीं, संस्कृति हैं। जब जंगल कटते हैं, नदियां सूखती हैं, और पशु बेघर होते हैं, तब बसंत भी अधूरा रह जाता है। सनातन दर्शन हमें चेतावनी देता है, यदि प्रकृति रोएगी, तो मनुष्य भी बचेगा नहीं। बसंत पंचमी हमें याद दिलाती है कि यदि भीतर वसंत नहीं, तो बाहर की ऋतु अर्थहीन है। जब विचार शुद्ध हों, कर्म संतुलित हों, और प्रकृति के प्रति सम्मान हो, तभी सच्चा वसंत आता है।

कुदरत की बरकतों का खजाना है वसंत

यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि चेतना का परिवर्तन है। हर बदलती ऋतु अपने साथ एक संदेश लेकर आती है, लेकिन वसंत वह ऋतु है, जो संदेश नहीं, संवेदना देता है। जो आंखों को ही नहीं, मन और आत्मा को भी हरा कर देता है। भारत की प्रकृति, उसकी भौगोलिक विविधता और सांस्कृतिक चेतना के अनुसार यहां छह ऋतुएं मानी गई हैं, हेमंत, शिशिर, वसंत, ग्रीष्म, वर्षा और शरद। इन सभी में वसंत को ऋतुराज कहा गया है। कारण स्पष्ट है, वसंत आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। मानव तो क्या, पशु-पक्षी तक उल्लास से भर जाते हैं। हर दिन नई उमंग लेकर सूर्योदय होता है, मानो सृष्टि हर सुबह स्वयं को नया कर रही हो।

विविधता में एकता का पर्व

वसंत विविध रंगों के पुष्प देता है, हर रंग में सौंदर्य। विविध स्वाद के फल देता है, हर स्वाद में पोषण। विविध नदियों का जल देता है, हर धारा में रस। यह ऋतु समाज को यह बोध कराती है कि विविधता में भी एक साथ आने की ताकत होती है। यही कारण है कि वसंत केवल प्रकृति का नहीं, सामाजिक चेतना का भी पर्व है। दुर्गा के सरस्वती रूप में यह ऋतु संहार से सृजन की ओर मानवीय चेतना के अंतरण का पर्व है। यह बोध का पर्व है, मनुष्य के भीतर सद्गुणों के जागरण का पर्व। यह हमें रचनात्मकता के अहंकार से भी मुक्त करता है। भारतीय सनातन दर्शन मानता है कि अपनी रचना पर गर्व और मोह में तो ब्रह्मा तक शापित हो गए। वसंत मनुष्य को विशुद्ध संवेदना के धरातल पर खड़ा करता है, यही भारतीय साधना है, यही सनातन विश्वास।

क्यों कहा गया वसंत को ऋतुराज

वसंत को ऋतुओं का राजा कहने के पीछे केवल काव्यात्मकता नहीं, गहरी जीवन-दृष्टि है। फसलें तैयार होती हैं, मंगल कार्य आरंभ होते हैं, विवाह और उत्सव होते हैं, मौसम सुहावना होता है। आम की मोहक मंजरियां, कोयल की कूक, शीतल और सुरभित हवाएं, खिलते फूल, फागुन के मदमस्त गीत, सब मिलकर ऐसा अनुकूल वातावरण रचते हैं, जो जीवन को सहज और उल्लासपूर्ण बना देता है।

पौराणिक दृष्टि में वसंत

पौराणिक कथाओं में वसंत सृजन की आधारभूमि है। अंधकासुर के वध हेतु शिवपुत्र का जन्म आवश्यक था। इसके लिए ब्रह्मा की योजना से वसंत की उत्पत्ति हुई। शक्ति की स्तुति के बाद देवी सरस्वती प्रकट हुईं और सृष्टि सृजन का कार्य प्रारंभ हुआ। कालिका पुराण में वसंत का व्यक्तीकरण अत्यंत मोहक रूप में किया गया है, सुदर्शन, संतुलित शरीर, आकर्षक नेत्र, फूलों से सजा, आम की मंजरियां हाथ में लिए, मतवाले हाथी जैसी चाल वालाकृवसंत सौंदर्य और आकर्षण का साकार रूप है। वसंत पंचमी के दिन कामदेव ने रति के साथ शिव की तपस्या भंग करने का प्रयास किया। इसलिए यह ऋतु प्रेम, सौंदर्य और सृजन का उत्सव भी मानी जाती है।

खगोलीय, आयुर्वेदिक और जीवन वैज्ञानिक वसंत

खगोलीय दृष्टि से वसंत सूर्य के मीन और मेष राशि में प्रवेश के साथ आता है। ज्योतिष के अनुसार इस समय सूर्य मित्र और उच्च राशि में रहता है, जिससे आत्मविश्वास, सकारात्मकता और उत्साह बढ़ता है। आयुर्वेद कहता है कि ऋतु परिवर्तन के समय त्रिदोष, वात, पित्त और कफ, असंतुलित हो सकते हैं। इसी संतुलन के लिए वसंत में व्रत और पर्वों की परंपरा बनी। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और जीवन दीर्घ होता है। आम की मंजरी को औषधीय माना गया है। मधुमेह, अतिसार और रक्त विकार जैसी समस्याओं में इसका उपयोग लाभकारी बताया गया है। यह बताता है कि वसंत शरीर और मन, दोनों का उपचार है।

ग्रामीण भारत में वसंत

खेतों में पीली सरसों लहराती है। किसान का मन बाग-बाग हो जाता है। खलिहानों में उम्मीदें पकने लगती हैं। सरसों की स्वर्णिम आभा स्वर्णिम भारत का आभास कराती है, समृद्ध भारत के नवनिर्माण की प्रेरणा देती है। पशु-पक्षी सर्दी की कैद से निकलकर चहकने लगते हैं। नवजीवन का आगमन इसी ऋतु में होता है। लोकगीत हवा में तैरने लगते हैं, सरसैया क फुलवा झर लागा... पूरी प्रकृति पीली चादर ओढ़े मदमस्त होकर झूम उठती है।

प्रेम, विद्रोह और संवेदना का वसंत

वसंत प्रेम है। वह विद्रोही भी है, टेसू के लाल फूलों जैसा। जिस तरुणाई में विद्रोह नहीं, वह निष्प्राण है। यह विद्रोह केवल विरोध नहीं, बल्कि गतिशील मनुष्यता की यात्रा है। इसका मूल है सहृदयता। जीवन के हर क्षण में यही जीवन-प्रेम आत्मीयता बनकर प्रकट होता है।

वसंत की नसीहत

वसंत पंचमी को केवल अनुष्ठान बना देना वसंत की आत्मा के साथ अन्याय है। असली वसंत तब होगा जब, गरीब के घर भी उल्लास पहुंचे, हर बच्चे के हाथ में किताब हो, हर युवा को रोजगार मिले। पीले वस्त्र पहन लेना आसान है, लेकिन असली वसंत उन चेहरों पर मुस्कान लाना है, जो आज भी अभाव में हैं। व्यक्तिगत प्रार्थना को सामूहिक संकल्प में बदलना ही वसंत का वास्तविक अर्थ है।

स्वागत है ऋतुराज वसंत

वसंत प्रभु और प्रकृति का वरदान है। इसीलिए इसे मधु ऋतु कहा गया है। तो आइए, अलसाई सर्दियों को विदा दें, रंगीन ओढ़नी ओढ़े वसंत का स्वागत करें। क्योंकि वसंत वह ऋतु है, जो मन में उमंग भरती है, प्रकृति और पुरुष को जोड़ती है, और जीवन को फिर से अर्थ देती है। तितलियाँ रंगीन पंख फैलाकर आकाश में चित्र उकेरती हैं। लोकगीतों की पंक्तियाँ हवा में तैरने लगती हैं, सरसैया क फुलवा झर लागा, फागुन में बाबा देवर लागा... सच कहा जाए तो प्रकृति इस समय उन्मादी हो जाती है, और हो भी क्यों न, उसका सौंदर्य लौट आया है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी व्यक्तित्व नेताजी सुभाषचंद्र बोस

कांग्रेस के हरिपुरा (गुजरात)अधिवेशन में 1938 में सुभाष चंद्र बोस सर्वसम्मति से कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय योजना समिति का गठन किया। 1939 के त्रिपुरी (जबलपुर, मध्य प्रदेश) अधिवेशन में भी सुभाष चंद्र बोस को दोबारा कांग्रेस का अध्यक्ष चुन लिया गया। गांधीजी चाहते थे कि सीतारमैया अध्यक्ष बने, इसीलिए चुनाव हुआ। सुभाष चंद्र बोस को चुनाव में 1580 मत मिले और सीता रमैया को 1377 मत मिले। इस प्रकार गांधी जी के विरोध के बावजूद सुभाष चंद्र 203 मतों से अध्यक्ष पद का चुनाव जीत गए थे।

तभी सितंबर 1939 में विश्व युद्ध शुरू हो गया। नेताजी ने अंग्रेजों को छह महीने में देश छोड़ने का अल्टीमेटम

दिया। नेताजी के अल्टीमेटम का गांधीजी ने विरोध किया जिससे इन्होंने कांग्रेस की अध्यक्षता छोड़ दी। इसके बाद डॉ.राजेन्द्र प्रसाद को कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। गांधी जी भारत की पूर्ण स्वतंत्रता नहीं बल्कि इसे ब्रिटेन का एक उपनिवेश राष्ट्र (डोमिनियन स्टेट) बनाना चाहते थे ' यह प्रस्ताव कांग्रेस के 1928 में कोलकाता अधिवेशन में पास भी किया गया था। जिसका सुभाष चंद्र बोस ने बहुत विरोध किया था। 1939 में कांग्रेस की अध्यक्षता छोड़ने के बाद सुभाष चंद्र ने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। कुछ दिन बाद ही सुभाष चंद्र को कांग्रेस से निकाल दिया गया और फॉरवर्ड ब्लॉक एक स्वतंत्र पार्टी बन गई।

सुभाष चंद्र बोस ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों द्वारा भारत के संसाधनों का उपयोग करने का घोर विरोध किया और जनआंदोलन शुरू कर दिया इसलिए अंग्रेजों ने उन्हें कोलकाता के घर में नजरबंद कर दिया।

1941 में सुभाषचंद्र बोस किसी तरह अंग्रेजों की कैद से छूटकर अफगानिस्तान के रास्ते जर्मनी पहुंच गए और गुमनाम हो गए। 1941 के अंत में बर्लिन में फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना की और जन गण मन को भारत का राष्ट्रगान घोषित किया। देश को जय हिंद का नारा दिया। यहीं पर सुभाष चंद्र बोस को नेताजी की उपाधि दी गई। मई 1942 में जर्मनी में सुभाषचंद्र बोस ने हिटलर से मुलाकात की । हिटलर से उन्हें कोई सकारात्मक सहयोग नहीं मिला। इसी

दौरान सुभाषचंद्र बोस की भेंट ऑस्ट्रेलिया की महिला एमिली से हुई जो उनकी सचिव रही,और उन्होंने उससे शादी कर ली। जिससे उनके एक बेटी अनिता बोस हुई।

26 जनवरी 1943 को बर्लिन में भारतीय स्वाधीनता दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें नेताजी ने मुख्य भाषण दिया और उसके बाद जापान चले गए। जून 1943 में नेताजी की मुलाकात जापानी प्रधानमंत्री से हुई और उन्होंने भारत की संपूर्ण स्वाधीनता के लिए बिना शर्त पूरे समर्थन की अधिकृत घोषणा की। यह उस समय के परिप्रेक्ष्य में बहुत बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटना थी। किसी भी विदेशी शासन प्रमुख द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इस प्रकार भारत को बिना शर्त पूरा समर्थन देने की घोषणा की गई थी। हालांकि गांधीजी इस प्रकार की कोई भी घोषणा ब्रिटिश सरकार या उसके मित्र देशों से नहीं करवा पाए थे, यह नेताजी की एक बड़ी जीत थी। इसके बाद नेताजी ने अपनी मौजूदगी जग जाहिर कर दी और नागरिक रेडियो पर अपना विशेष प्रसारण किया। जुलाई 1943 में नेताजी सिंगापुर पहुंच गए। जहां रासबिहारी बोस और इंडियन नेशनल आर्मी आजाद हिंद फौज के अफसरों और नेताओं ने नेताजी का स्वागत किया।

पांच जुलाई 1943 नेताजी के जीवन का सर्वाधिक वैभवशाली दिन था क्योंकि उस दिन सिंगापुर टाउन हॉल के एक बड़े मैदान में उन्होंने सर्वोच्च सेनापति सुप्रीम कमांडर के रूप में आजाद हिंद फौज की सलामी ली। यहीं पर उन्हें नेताजी का नाम दिया गया। उन्होंने अपनी फौज को संबोधन में कहा था ₹तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की कब्र बनाने का आव्हान सैनिकों से किया । इक्कीस अक्टूबर 1943 को सिंगापुर में एक ऐतिहासिक सभा में उन्होंने प्रथम अंतरिम आजाद हिंद सरकार की स्थापना का ऐलान किया । इस अंतरिम सरकार को विश्व के तीन प्रमुख देश जापान, जर्मनी और इटली समेत कुल नौ देशों ने मान्यता प्रदान कर दी। इस प्रकार दो सौ वर्ष में भारत के स्वाधीनता सेनानियों को अपने स्वाधीन राष्ट्र की अनुभूति हुई थी। आजाद हिंद सरकार की पहली घोषणा थी अमेरिका और ब्रिटेन के विरुद्ध युद्ध। बाईस अक्टूबर 1943 को नेताजी ने आजाद हिंद फौज की रानी झांसी रेजीमेंट का औपचारिक उद्घाटन किया। जिसमें भारतीय महिलाओं की भागीदारी थी।आजाद हिंद सरकार की स्थापना के बाद ,आजाद हिंद बैंक ने 10 से लेकर 1,00,000 तक के नोट के जारी किए, 1,00,000 के नोट में नेताजी की तस्वीर छापी गई थी।

29 दिसंबर 1943 को नेताजी अंडमान पहुंचे। यहां राष्ट्र अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जिमखाना मैदान में भारी जन समुदाय के बीच राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। नेताजी ने अंडमान को ₹शहीद दीप समूह ₹ तथा निकोबार को

स्वराज दीप समूह ₹ का नया नाम दिया था। जनवरी 1944 में नेताजी अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत के नजदीक रंगून (बर्मा) में ले आए। आजाद हिंद फौज ने 18 मार्च 1944 को इंफाल के रास्ते भारत में प्रवेश किया ,पर खराब मौसम के कारण ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाए। जापान की हार के कारण नेताजी का आजाद हिंद फौज के द्वारा स्वतंत्रता का सपना पूरा ना हो पाया।

ऐसा माना जाता है कि अट्ठारह अगस्त 1945 को जापान जाते समय नेताजी का विमान ताइवान में क्रैश हो गया,परंतु उनका शरीर नहीं मिला और तब से लेकर आज तक उनकी मृत्यु एक विवाद और रहस्य का विषय बनी हुई हैं।

नेताजी के जय हिंद नारे से राष्ट्रीय चेतना जागृत हो गई । आज भी जय हिंद का उद्घोष जनमानस में जोश भरने और देश प्रेम की भावना को जीवित करने का साधन बना हुआ है। अपनी क्रांतिकारी सोच के कारण नेताजी ने उस समय के जनमानस को उद्वेलित किया और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष को प्रेरित किया। जिसने भारत की आजादी में उत्प्रेरक का काम किया। उनकी विचारधारा भारतीय जनमानस में सदा बसी रहेगी। देश आज भी नेताजी को एक क्रांतिकारी नेता के रूप में याद करता है और सदा करता रहेगा। (लेखक रक्षा मंत्रालय के पूर्व उपनिदेशक हैं)

(अतिवीर जैन 'पराग'-विनायक फीचर्स)

गणतंत्र दिवस पर पवई में गूंजेगा बिरहा, लोक कलाकारों की जुगलबंदी से सजेगा सांस्कृतिक मंच

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर 26 जनवरी (सोमवार) को पवई, मुंबई में भव्य बिरहा मुकाबले का आयोजन किया जा रहा है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध लोकगायक प्रमोद लाल यादव (वाराणसी) तथा सुप्रसिद्ध लोकगायिका अनीता यादव (आजमगढ़) अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। बताएं कि यह आयोजन पूर्व में स्वर्गीय घनश्याम यादव (पूर्व अध्यक्ष, सार्वजनिक रामलीला समितिझपवई) द्वारा प्रतिवर्ष श्रद्धा और परंपरा के साथ किया जाता रहा है। उनके निधन के बाद उनके सुपुत्र निहाल घनश्याम यादव इस सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। आयोजन को समाजसेवक एवं उद्योगपति लल्लू प्रसाद यादव का मार्गदर्शन प्राप्त है, वहीं निखिल यादव एवं रितेश यादव भी सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। कार्यक्रम शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक साकीविहार रोड, पासपोली गांव, एनआईटीआईई, लोक विहार बिल्डिंग के सामने, पवई, मुंबई में होगा। कार्यक्रम के दौरान गांवदेवी माता की पालकी भी निकाली जाएगी। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए नाश्ते की विशेष व्यवस्था की गई है, जिसमें हर वर्ष 1500 से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित होते हैं। आयोजन की सफलता में डॉ. विजयप्रकाश राय, अनिल पांडेय, सुरेन्द्र मिश्रा, रामसहाय यादव एवं रंजीत दुबे का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यकारिणी में अजय यादव, संजय यादव, समरनाथ यादव, लालन दुबे, रामसिंगार यादव, इन्द्रजीत यादव, पंचम यादव, किताबू पहलवान एवं फुलचंद यादव सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजकों ने समस्त नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई है।

कॉलेज की लड़की से जिस्मफरोशी कराने वाली महिला दलाल चढ़ी पुलिस के हत्थे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर पूर्व के ममला है, आज महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के नवघर पुलिस स्टेशन भायंदर पूर्व की टिम ने भायंदर पूर्व रेल्वे स्टेशन के सामने, सुरभि वडा पाव, प्रशांत होटल के पास बोगस ग्राहक भेजकर छापा मारा पुलिस ने छापे में एक महिला दलाल को हिरासत में लेकर एक कॉलेज की पीड़ीत लड़की को जिस्म फरोशी के दलदल से रेस्क्यू किया है। गिरफ्तार महिला दलाल ग्राहकों को कॉलेज की लडकियो के फोटो भेजकर वेश्याव्यवसाय का गोरख कारोबार विगत 4/5 सालों से मुंबई, से लेकर मीरा भायंदर और वसई विरार में चला रही थी। पीड़ीत लड़की मुंबई के नामचीन कॉलेज में फर्स्ट ईयर में पढ़ रही थी, गिरफ्तार महिला दलाल ने कितनी और लड़कियों को देहव्यापार में धकेला है व महीला दलाल के और कितने साथी दार हैं उसकी भी जांच पड़ताल नवघर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। गिरफ्तार महिला आरोपी के उपर इटर व पीटा एक्ट की धारा के तहत कानूनी कारवाई और एक पीड़ीत लडकी को महिला सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया नवघर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। यह पीटा एक्ट की कारवाई एमबीवीवी आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियो व नवघर पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई धीरज कोली के मार्गदर्शन में पीआई दत्तात्रय ढूमे पीएस आई संदीप व्हसकोटी, एएसआई रविकांत व्हनमारे, एच सी सतीश बोराडे, सुनील लाड, प्रदीप काटकर, नवनाथ घुगे, महीला पुलिस स्टाफ और नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने संयुक्त रूप से की कारवाई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने की रात के समय लोकल ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग

मुंबई। कल्याण, बदलापुर, कर्जत और खोपोली की ओर देर रात यात्रा करना खतरे से खाली नहीं है। जिसका मुख्य कारण यह है कि रात ग्यारह बजे के बाद कल्याण, बदलापुर, कर्जत की ओर जाने वाली ट्रेनों के लगेज डिब्बों और दिव्यांगो के डिब्बों में असामाजिक तत्वों, शराबियों का जमावड़ा बढ़ जाता है। ऐसे में आम यात्रियों को ट्रेन में यात्रा के दौरान काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मुंबई के डैशिंग उपाध्यक्ष और पहला अपराध समाचार पत्र के संपादक संजीव उपाध्याय ने रात के समय में लोकल ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। बता दें कि दो दिन पूर्व लोकल ट्रेन में मोबाइल छीनने का विरोध करना एक 30 वर्षीय युवक को भारी पड़ गया। ठाणे से बदलापुर लौट रहे युवक के साथ अंबरनाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई इस घटना में वह चलती ट्रेन से गिर गया। जिससे उसका बायां पैर ट्रेन के नीचे आकर कट गया। घायल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज मुंबई के केईएम अस्पताल में चल रहा है। इस घटना को संज्ञान में लेते हुए मध्य रेलवे के सुरक्षा आयुक्त से राकांपा मुंबई प्रदेश के उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने कल्याण, बदलापुर और कर्जत की ओर जाने वाली लोकल ट्रेनों में विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। वहीं इन ट्रेनों में देर रात यात्रा करने वाले अनेक यात्रियों ने यह भी बताया कि रात ग्यारह बजे के बाद बदलापुर और कर्जत लोकल के लगेज डिब्बों और दिव्यांगों के डिब्बों में शराबियों, चोर उच्चकों का बोलबाला बढ़ जाता है जिसके कारण आम यात्रियों को काफी परेशानी का सामना पड़ता है।

सॉरी बोलना सीखो अक्षय कुमार की रितेश-जेनेलिया के साथ मस्ती

मुंबई/पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन व्हील ऑफ फॉर्च्यून के प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसमें शो के होस्ट अक्षय कुमार, मेहमान रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा के साथ एक मजेदार बातचीत करते हैं। यह बातचीत तब और भी मजेदार हो जाती है जब अक्षय और रितेश अपनी पत्नियों से जुड़े किस्से शेयर करते हैं, जिससे शो में हंसी-खुशी के पल बनते हैं। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सेट पर हंसी-मजाक का माहौल बनाते हुए, अक्षय कुमार ने रितेश देशमुख से पूछा कि वह और जेनेलिया कितने समय से साथ हैं। रितेश के जवाब में 24 साल कहने पर, अक्षय ने मजाकिया अंदाज में कहा तभी सॉरी बोलना सीखो।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड

मुंबई/पटना। भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक नया फंड ऑफर – एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड – लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जो बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स के घटकों में निवेश करता है। इस फंड का एनएफओ 23 जनवरी 2026 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 6 फरवरी 2026 को बंद होगा। इस फंड का प्रबंधन कार्तिक कुमार (फंड मैनेजर) करेंगे। न्यूनतम निवेश राशि ?100 है। यह फंड निवेशकों को लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। यह नया फंड निवेशकों को बीएसई 500 इंडेक्स के 21 क्षेत्रों की भारत की प्रमुख कंपनियों में व्यापक निवेश करने का एक समझदारी भरा तरीका प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस फंड के बीएसई 500 इंडेक्स के प्रत्येक 21 सेक्टरों से उनकी औसत छह महीने की दैनिक 'टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन' के आधार पर शीर्ष तीन कंपनियों को शामिल किया जाएगा।

वसई-विरार में नवनिर्वाचित भाजपा नगरसेवकों की अहम बैठक संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार शहर महानगरपालिका चुनाव में जनता के विश्वास से चुने गए भारतीय जनता पार्टी के सभी नवनिर्वाचित नगरसेवकों की एक महत्वपूर्ण और दिशा तय करने वाली बैठक आज नालासोपारा पश्चिम स्थित मंथन होटल में संपन्न हुई। इस बैठक में सांसद और विधायकों ने नगरसेवकों को संबोधित करते हुए शहर के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया।

बैठक में शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, शिक्षा, परिवहन व्यवस्था सहित नागरिकों से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर प्रभावी और समयबद्ध कार्य करने का संकल्प लिया गया। वसई, नालासोपारा और विरार क्षेत्र के संतुलित एवं टिकाऊ विकास के लिए जनता की भागीदारी से पारदर्शी, जवाबदेह और कुशल प्रशासन देने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, भाजपा संगठन महासचिव हेमंत म्हात्रे, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, जिला महासचिव जोगेंद्र प्रसाद चौबे, मनोज बारोट, बिजेंद्र कुमार सहित सभी नवनिर्वाचित पार्षद एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नेताओं ने नगरसेवकों से अपेक्षा जताई कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गति दें। बैठक को आगामी कार्यकाल की ठोस शुरूआत बताते हुए इसे लोगों के लिए काम, विकास के लिए प्रतिबद्धता और शहर के लिए नया सपना के तीन मूल सिद्धांतों पर आधारित बताया गया।

श्री गणेश जयंती पर पाम गांव में धूमधाम से मनाया गया माघी गणेशोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री गणेश जयंती के पावन अवसर पर पालघर जिले के पाम गांव में माघी गणेशोत्सव श्रद्धा व उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। माघ मास की गणेश चतुर्थी तिथि को आयोजित यह धार्मिक आयोजन इस वर्ष अपने 18वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

गुरुवार 22 फरवरी 2026 को पाम गांव स्थित गांवदेवी मंदिर के सामने आयोजित इस भक्तिमय समारोह में पूरे गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने सहपरिवार भगवान श्री गणपति के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के अंतर्गत विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न हुआ, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया। पूरे दिन आयोजन स्थल पर भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण बना रहा। इस सफल आयोजन का संयोजन राजेंद्र पंढरीनाथ पिंपले एवं पाम ग्राम पंचायत के पूर्व उपसरपंच भूषण पंढरीनाथ पिंपले द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिक, महिला मंडल, युवा वर्ग व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भिवंडी के अंजुर स्थित प्राचीन सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में माघी गणेशोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। तालुका क्षेत्र के अंजुर गांव में स्थित पेशवाकालीन नाइक वाड़ा के प्राचीन सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में माघी गणेशोत्सव बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गणेश दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अंजुर के गंगाजी नाइक के 352 वर्ष पुराने वाड़ा में स्थित देव्हारे में लगभग 306 वर्ष पूर्व सिद्धिविनायक गणेश की स्थापना की गई थी। तब से लेकर आज तक इस पवित्र स्थल पर गणेश भक्त निरंतर दर्शन के लिए आते रहे हैं। गुरुवार को माघी गणेशोत्सव के अवसर पर मंदिर में सुबह से ही पूजा-अर्चना प्रारंभ हो गई थी और दिनभर भक्तों की दर्शन हेतु भीड़ लगी रही। जिस प्रकार शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी अनेक नागरिकों ने माघी गणेशोत्सव के अवसर पर डेढ़ दिवसीय गणेश की स्थापना की है। इसी तरह सांसद बाल्या मामा के निवास स्थान पर भी डेढ़ दिवसीय माघी गणेशोत्सव मनाया गया, जहां गणेश दर्शन के लिए अनेक कार्यकर्ता एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित हुए।

सवणे ग्रामपंचायत में आर्थिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

ग्रामीणों को बैंकिंग, बीमा व डिजिटल लेन-देन की दी गई जानकारी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले की तलासरी तहसील के सवणे ग्रामपंचायत परिसर में ग्रामीणों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक आर्थिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पालघर तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संयुक्त तत्वावधान में एमएआरडीईएफ, स्वधारा फिनेक्स एनजीओ और सवणे ग्रामपंचायत के सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक विशाल वाघ के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सवणे ग्रामपंचायत के उपसरपंच सुनील धर्मा टोकरे ने की। इस अवसर पर ग्रामवासियों को बचत के महत्व, बैंकिंग सेवाएं, बीमा योजनाएं, ऋण प्रक्रिया, डिजिटल लेनझ्देन तथा आर्थिक धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। आर्थिक साक्षरता सलाहकार उज्ज्वला कोकणे ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। स्वधारा संस्था के प्रशिक्षक संजय आहाडी ने सुकन्या समृद्धि योजना एवं भविष्य निर्वाह निधि (पीपीएफ) की जानकारी दी। वहीं प्रशिक्षक ज्योति बेंडगा ने उपस्थित महिलाओं के बीमा एवं री-केवाईसी फॉर्म भरवाने में मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक, तलासरी शाखा के प्रतिनिधि नवीन धोडी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को व्यवसाय तथा कृषि के लिए उपलब्ध बैंक ऋण योजनाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। कार्यक्रम को ग्रामवासियों से उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। उपस्थित नागरिकों ने मार्गदर्शन का लाभ लिया। इस अवसर पर उपसरपंच सुनील टोकरे ने कहा कि ग्रामीणों को अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पीपीएफ तथा बीमा योजनाओं का लाभ अवश्य लेना चाहिए, जिससे भविष्य में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। छोटी-छोटी बचत और निवेश आगे चलकर अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामपंचायत सदस्या आनंदी बीज, पेसा सदस्य अरविंद मेरे, सोसायटी सचिव रावजी दयात, सीआरपी वनिता धोडडे, सीआरपी वंदना वाढिया, सीआरपी लक्ष्मी रिंजड, जयवंत धोडडे एवं देऊ हबाले का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। महाबैंक कृषि अनुसंधान एवं ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान (एमएआरडीईएफ), स्वधारा फिनेक्स एनजीओ तथा सवणे ग्रामपंचायत के संयुक्त प्रयासों की

केडीएमसी में महापौर पद के लिए तीन नामों की जोरदार चर्चा सुरु

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगर पालिका का महापौर पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित रखा गया है। शिवसेना (शिंदे) के किरण भांगले और हषार्ली थविल और मनसे की शीतल मंढारी यह तीन नगरसेवक एसटी वर्ग से चुनाव जीते हैं, इसलिए महापौर पद के लिए इन तीन में से किसी एक की लॉटरी लग सकती है। हषार्ली थविल दूसरी बार नगरसेवक का चुनाव जीत चुकी है। आरक्षण में एसटी वर्ग आने से हषार्ली थविल महापौर पद की रेस में आ गई है। जबकि पार्टी कार्यकर्ता के रूप में शाखा की जिम्मेदारी संभालने वाले किरण भांगले पहली बार नगरसेवक बने है। साथ ही पहली ही जीत में किरण भांगले महापौर पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। इसी तरह मनसे से शीतल मंढारी की जीत हुई है शीतल भी दुसरी बार जीत हांसिल की है।

आरक्षण की घोषणा होने के बाद महापौर पद की आस लगाए बैठे, कल्याण-डोंबिवली के कई दिग्गजों के सपनों पर पानी फिर गया है, और वे महापौर की रेस से बाहर हो गए हैं। अब शिवसेना (शिंदे) और भाजपा के यहीं दिग्गज नेताओं की नजर मनपा की तिजोरी कही जाने वाली स्थायी समिति के सभापति की कुर्सी पर बनी है। आने वाले समय में पालिका के अनेकों पदों पर कौन काबिज होगा यह तो समय आने पर ही पता चलेगा।

सदगुरु श्री दयानंदगिरी स्वामी स्वाध्याय ट्रस्ट के श्रीकृष्ण मुरली मंदिर के 24 वें वार्षिकोत्सव पर मुफ्त चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

भक्तों को धार्मिक मार्ग में परिवर्तन ही सनातन धर्म की रक्षा : वेमुला विट्ठल

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के चंदनबाग स्थित सदगुरु श्री दयानंदगिरी स्वामी स्वाध्याय ट्रस्ट भिवंडी के वार्षकोत्सव के अवसर पर मुफ्त चिकित्सा जांच व मुफ्त दवा वितरण कार्यक्रम संपन्न किया गया।

बतादें कि ट्रस्ट के अध्यक्ष वेमुला विट्ठल सर ने जानकारी देते हुए कहा कि भक्तों को धार्मिक मार्ग पर लाना ही सनातन धर्म की सच्ची रक्षा है उन्होंने बताया कि गीताश्रम के निर्माण और मंदिर में श्रीकृष्ण मूर्ति प्रतिष्ठा के 24 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 21, 22 व 23 जनवरी (बुधवार, गुरुवार व शुक्रवार) को तीन दिवसीय गीताश्रम का संयुक्त वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर गीताश्रम में प्रतिदिन सुबह व शाम सद्?गुरु श्री शुद्धब्रह्मानंद सरस्वतीजी के मार्गदर्शन में श्रीमद्भागवत प्रवचन आयोजित किए जा रहे हैं वहीं गुरुवार 22 जनवरी को आरोग्य शिविर एवं आयुर्वेदिक शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 महिला, पुरुष एवं बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर मुफ्त औषधियों का वितरण किया गया। आश्रम द्वारा श्रद्धालुओं को श्रीमद्भगवद्गीता पठन का अभ्यास कराने के साथ प्रतिदिन सुबह-शाम गीता पारायण, आरती तथा तीर्थप्रसाद का वितरण होता है। शुक्रवार को यज्ञ, महापूजा एवं महाअन्नदान का आयोजन किया गया है, साथ ही प्रत्येक शुक्रवार को भजन-कीर्तन व सत्संग भी संपन्न होता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के अध्यक्ष वेमुला विठ्ठल सर, कार्यदर्शी म्याकला सत्तय्या, आडेप राजय्या, श्रीपति राजेशम, डा. आडेप रमेश, वेमुला कमलाकर, कनुकुंटला गंगाधर, भार्गव साई समेत असंख्य पदाधिकारी व भक्तगणों का सहयोग रहा।

स्नेहा दुबे पंडित ने विभिन्न स्थानों पर माघी गणपति के किया दर्शन

वसई (उत्तरशक्ति)। माघी गणेशोत्सव के पावन पर्व पर श्री गणेश जयंती के शुभ अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित ने वसई वेस्ट मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर माघी गणपति के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने गणपति बप्पा के चरणों में श्रद्धा पूर्वक नमन कर सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की कामना की। नवापुर में सुरेश गवली एवं अनिल होलकर के निवास पर विराजित गणपति बप्पा, सप्ताला में प्रफुल ठाकुर के घर के गणपति, वाघोली में साई सिद्धि मित्र मंडल के सार्वजनिक गणपति, निर्मल में नव तरुण मित्र मंडल के गणपति तथा भुईगांव में श्री माघी गणेशोत्सव मंडल के गणपति बप्पा के भावपूर्ण दर्शन किए गए। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल, नगरसेवक प्रदीप पवार, वरिष्ठ नेता रामदास मेहर, वसई वेस्ट मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी सहित भूपेश राउत, सुधीर मेहर, भरत भोईर, मयूर नाइक, निनाद नाइक, युग वर्तक, संतोष तुम्बड़ा, श्रीमती मनीषा जोशी, योगेश गीते, श्रीमती विजेता सुर्वे, पूर्व पार्षद छोटू आनंद, प्रकाश जोशी, जयश म्हात्रे तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। माघी गणेशोत्सव के इस पावन अवसर पर सभी ने श्री गणेश के चरणों में प्रार्थना करते हुए नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता की कामना की।

बी.एन.एन. महाविद्यालय में मराठी भाषा संवर्धन सप्ताह का हर्षोल्लाश व भव्यता से किया गया शुभारंभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मराठी भाषा सशक्त, दृढ़, प्रखर और उतनी ही सुंदर है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा का संरक्षण अवश्य करना चाहिए, साथ ही अन्य भाषाओं से भी प्रेम करना चाहिए। इसके लिए मन की उदारता और व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक है सा प्रतिपादन प्राचार्य डा. शशिकांत म्हालुंकर ने किया। वे पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल के बी.एन.एन. कालेज के मराठी विभाग द्वारा आयोजित मराठी भाषा संवर्धन सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

प्राध्यापक राजेश देसले ने अपने प्रस्ताविक भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और मराठी भाषा के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर उपप्राचार्य डा. निनाद जाधव, डा. कुलदीप राठौड, डा. मिलिंद नारनवरे, डा. रवि मनोहर, डा. शुभदा फाटक, प्रा. अंकुश चव्हाण, प्रा. गणेश पानझाडे सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। इस सप्ताह के अंतर्गत मराठी काव्य सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी स्वयं-रचित उत्कृष्ट कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। विभाग द्वारा सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका समापन ग्रंथदिंडी के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रा. धनंजय सूर्यवंशी के नेतृत्व में विभाग के प्राध्यापकों ने विशेष परिश्रम किया। कार्यक्रम का संचालन नाजमीन शेख ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रा. राजेश देसले ने किया।

सैंडविजा ने मालाड में नया आउटलेट खोला

मुंबई। मुंबई का पसंदीदा घरेलू क्विक सर्विस रेस्टोरेंट ब्रांड, सैंडविजा, जो अपने शानदार सैंडविच और बेहतरीन स्वाद के लिए जाना जाता है, ने मालाड में अपना नया आउटलेट खोलकर शहर में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। यह विस्तार ब्रांड की उसी निरंतर विकास यात्रा का हिस्सा है, जिसकी शुरूआत इसी शहर से हुई थी। सैंडविजा ने शुरूआती दिनों से ही ग्राहकों की दिनचर्या का हिस्सा बनकर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। एक ऐसी जगह जहां त्वरित भोजन, जाना-पहचाना स्वाद और गुणवत्ता का तालमेल मिलता है। मालाड आउटलेट भी इसी सोच के साथ खोला गया है। यह उपनगर अपने रिहायशी इलाकों, ऑफिसों, कॉलेजों और भारी भीड़-भाड़ के लिए जाना जाता है, जो ब्रांड के लिए एक आदर्श स्थान है।

इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, सैंडविजा के निदेशक, पंकज शर्मा ने कहा, 'मुंबई हमेशा से सैंडविजा की कहानी का केंद्र रहा है। यहां खुलने वाला हर नया आउटलेट हमें व्यक्तिगत जुड़ाव का अहसास कराता है, क्योंकि यह हमारे ग्राहकों की पसंद और उनकी खान-पान की आदतों को समझने का परिणाम है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति फॅब्रीकेशन अँण्ड ग्रिल वर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जानलेवा हमले के मामले में पति-पत्नी गिरफ्तार, आलाकत्ल बरामद

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर कबीरुद्दीनपुर गांव में बुधवार को एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने के मामले में बुधवार की रात में ही दो वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर ग्राम निवासी प्रियम्बदा राय पत्नी संजीव राय उर्फ शेरू ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षी हर्ष राय, आलोक राय, लक्ष्मीना राय, रामचन्द्र राय व अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने उनके पति को गाली-गलौज देते हुए जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से प्रहार किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की थी। वरिष्ठ उपनिरीक्षक मंशा राम गुप्ता अपनी टीम के साथ

क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान बुधवार रात करीब 8:40 बजे पुलिस टीम ने कबीरूद्दीनपुर गांव से दबिश देकर दो अभियुक्तों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण: आलोक राय (52 वर्ष) पुत्र दुधनाथ राय, निवासी कबीरुद्दीनपुर। लक्ष्मीना राय (50 वर्ष) पत्नी आलोक राय, निवासी कबीरुद्दीनपुर।

बरामदगी: आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हमले में इस्तेमाल की गई एक अदद टंगारी और एक अदद नुकीला हथियार बरामद किया है।

पुलिस टीम में शामिल सदस्य: गिरफ्तारी करने वाली टीम में व.उ.नि. मंशा राम गुप्ता के साथ कांस्टेबल संजय यादव, सुधीर साहू और महिला कांस्टेबल आकांक्षा सिंह शामिल रहीं। थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मानीकलां हॉल्ट पर ट्रेन से गिरकर अधेड़ की मौत, बेटी के घर जा रहा था पिता

आफताब आलम, मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार दोपहर एक अधेड़ की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। यह घटना मानीकलां हॉल्ट 52उ रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई।मृतक की पहचान दीदारगंज थाना क्षेत्र के पकरौल निवासी लगभग 60 वर्षीय जियालाल पुत्र गोवर्धन के रूप में हुई है। जियालाल बृहस्पतिवार सुबह अपनी बड़ी बेटी के घर जाने के लिए घर से निकले थे।मानीकलां हॉल्ट रेलवे क्रॉसिंग पर पोल नंबर 32 और 34 के बीच वह ट्रेन से गिर गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान कराई। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाल विवाह मुक्त भारत के तहत थाना परिसर में चला हस्ताक्षर अभियान

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना परिसर में बृहस्पतिवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण ने ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने कहा कि बाल विवाह के पीछे तीन प्रमुख कारण स्पष्ट रूप से सामने आते हैं। अशिक्षा, अज्ञानता और असहायता। उन्होंने कहा कि कई बार परिवार में अशिक्षा होने के कारण बालिकाएँ इस पीड़ा का शिकार हो जाती हैं। वहीं अज्ञानता और सामाजिक दबाव के चलते भी परिवार बालावस्था में ही अपनी बेटियों का विवाह कर देते हैं, जबकि उन्हें यह ज्ञात होता है कि इस उम्र में बालिका न तो शारीरिक रूप से सक्षम होती है और न ही जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने की स्थिति में होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बालिकाओं का विवाह केवल बालिग होने के बाद ही किया जाना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय ने बाल विवाह प्रतिषेध कानून की जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरूआत वर्ष 1929 में अंग्रेजी शासनकाल के

दौरान शारदा एक्ट के रूप में हुई थी। स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1976 में इसमें संशोधन किया गया तथा वर्ष 2006 में पुनः संशोधन कर बाल विवाह को संज्ञेय एवं गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपराधी माना जाता है। बाल संरक्षण अधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि बाल विवाह, बाल श्रम एवं खोए हुए बच्चों से संबंधित मामलों में 1098 चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन पर संपर्क किया जा सकता है। चाइल्ड लाइन के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा एवं देखरेख सुनिश्चित की जाती है। उपनिरीक्षक प्रशान्त पांडेय ने थाना पर उपस्थित लोगों को महिला हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब तक समाज से बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त नहीं किया जाएगा। तब तक विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। शपथ और हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई गई तथा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह,बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय, उपनिरीक्षक प्रशान्त पांडेय, स्वामी नाथ यादव, राज मिलन तिवारी क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति विनय सिंह, विनोद तिवारी, मनोज सिंह बाबा, राहुल सिंह, ऋषि सिंह, इश्वर देव यादव, जनता यादव,अजय यादव एडवोकेट सहित पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

करमा विकासखंड में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, तेजस्वी किसान मार्ट के नेतृत्व में प्रशिक्षण

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद की घोरावल तहसील अंतर्गत करमा विकासखंड स्थित खुटहनिया ग्राम पंचायत के ग्राम सचिवालय परिसर में तेजस्वी किसान मार्ट के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उद्यमिता एवं मूल्य संवर्धन का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र सोनभद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रश्मि सिंह ने महिलाओं को टमाटर से निर्मित घरेलू उत्पाद–चटनी, सॉस, जैम, जैली, प्यूरी, पापड़ आदि–के निर्माण, संरक्षण एवं विपणन की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान सहजन (मोरिंगा) के पोषणात्मक, औषधीय एवं आर्थिक लाभों तथा उसके दैनिक जीवन में उपयोग पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

तेजस्वी संगठन न्यास एवं तेजस्वी किसान मार्ट के संस्थापक ई. प्रकाश पाण्डेय ने मार्केट लिंकेज, प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों को सीधे बाजार से जोड़कर महिलाओं की आय में वृद्धि की जाएगी।

प्रशिक्षण के उपरांत ग्राम उत्पादक समूह के गठन पर चर्चा की गई, जिसमें सर्वसम्मति से प्रियंका देवी को अध्यक्ष, सीता देवी को सचिव एवं आराधना मौर्या को कोषाध्यक्ष चुना गया।

कार्यक्रम में सीता देवी (समूह सखी), आराधना मौर्या (समूह सखी), वन्दना देवी, जोगिनी, इसरावती, नजमुन, राउती, सरिता, सरोज देवी, सुषमा कुमारी, अनिता, राधिका, विंध्यवासिनी, ओम प्रभा, रामपली, सकीना, सजीलम एवं गुलाबी की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र सोनभद्र के सौरभ कुमार यादव, राजेश कुमार, दीनानाथ एवं ग्राम पंचायत के सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नेता जी की प्रतिमा का हुआ जीर्णोद्धार व सुंदरीकरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक व पूर्व सांसद धनंजय सिंह के निर्देश पर प्रबंधक प्रमोद शुक्ला मोनू के नेतृत्व में बुधवार को तमाम साथियों ने मिलकर तेजीबाजार चौराहा स्थित नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती से पूर्व उनकी प्रतिमा की साफ सफाई की व परिसर का रंग रोगन किया वहीं टूटे चबूतरे व जर्जर पोल की मरम्मत की। वहीं फर्श रेलिंग आदि की मरम्मत किया गया ।गौरतलब है की 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोष की जयंती के अवसर पर लोग सुगमता से पुष्पांजलि और माल्यार्पण कर सकें। इस अवसर पर प्रमेन्द्र सिंह पम्मू, संजय सिंह, डब्लू सरोज, आलोक सिंह, कुंवर आजाद सिंह, भोले शंकर गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

एसआईआर फार्म भरने से वंचित नाराज मतदाता बैरंग लौटे

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा के सोंधी ब्लाक में एस आई आर फार्म भरने पहुँचे मतदाता बुधवार को नाराज होकर वापस लौट गए।आरोप है की अभिलेख होने के बाद भी उन्हें लौटना पड़ा। बूथ संख्या 183 से 213 तक एसआईआर फार्म भरने के लिए बीएलओ और एआरओ बैठे थे भारी संख्या में मतदाता अपने बूथ पर पहुंचे अपने परिवार के लोगों का एसआईआर फार्म भरवाने आरोप है कि फार्म पूर्ण होने के साथ ही पर्याप्त अभिलेख होने के बाद भी उनका फार्म नही सम्मिलित किया गया।

बिसवां तालुका रुधौली गांव निवासी अनिरुद्ध ने बताया कि मेरा बेटा शम्भू परदेश रहता है उसका फार्म मैं भरने आया लेकिन एआरओ ने बताया की मतदाता को साथ लेकर आइए उसका फोटो साथ मे चुनाव आयोग की साइड पर अपलोड होगा अन्यथा नही होगा। प्रमीला के पिता संतलाल ने बताया कि मेरी पुत्रवधु अन्य प्रदेश में रहती है उनका फार्म नही जमा किया गया पुत्रवधु को लाने की बात कह कर वापस भेज दिया गया।उसी गांव निवासी दिलशाद, सुल्तान उषा देवी आरती आदि लोगों के साथ भी यही समस्या है जो लोग रोजी रोटी के लिए विदेश में हैं मौके पर यहाँ नही है मूल निवासी इसी गांव के निवासी हैं लेकिन उनके उनका फार्म नही भरा जा रहा है ऐसे ही सारे ग्रामवासी हैं जो मौके पर नही हैं लेकिन उनका सारा अभिलेख यहीं का है इसी गांव के मतदाता हैं।निराश स्वजन फार्म न भर पाने से निराश होकर बैरंग लौट गए। इस सम्बंध में एआरओ दिनेश गुप्ता ने बताया कि मतदाता के साथ फोटो अपलोड हो रहा है बिना उनकी उपस्थिति में चुनाव आयोग की साइड पर फोटो अपलोड करना संभव नही है।

प्रेम प्रपंच में डिपेंसरी संचालक की मौत

प्रेमिका गिरफ्तार, पुलिस ने किया मामले का खुलासा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।क्षेत्र के बरजी गांव में 16 जनवरी को डिपेंसरी संचालक की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक की मौत आत्महत्या से होना प्रमाणित हुई है। पुलिस ने इस मामले में प्रेम प्रपंच की पुष्टि करते हुए मृतक की प्रेमिका को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

जानकारी के अनुसार बरजी गांव निवासी डिपेंसरी संचालक सुनील राजभर (30) पुत्र सुरेश का शव 16 जनवरी को घर के गेट के पिलर से फंदे पर लटकता मिला था। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण हत्या और आत्महत्या के बीच गुत्थी उलझी हुई थी। पुलिस ने गहन जांच के बाद बताया कि मृतक का गांव की ही एक महिला से प्रेम संबंध था। दोनों के बीच फोन पर लगातार बातचीत होती थी। महिला शादी के लिए दबाव बना रही थी, जबकि सुनील पारिवारिक समस्याओं, आगे की पढ़ाई और आर्थिक तंगी का हवाला देकर उसे टाल रहा था तथा कुछ समय इंतजार करने की बात कह रहा था।

पुलिस के अनुसार 16 जनवरी की रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिससे मानसिक रूप से परेशान होकर सुनील ने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद महिला ने अपना मोबाइल फोन फॉर्मेट कर दिया था। हालांकि पुलिस की तकनीकी टीम ने मोबाइल का डेटा रिकवर कर लिया, जिससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आ गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी लगना बताया गया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे आरोपी महिला को उसके घर से गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रो.मुराद अली बने प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर मुराद अली को प्रबंधन अध्ययन संकाय का डीन तीन वर्षों की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रो. मुराद अली ने केरल के महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में स्नातक तथा व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। वे यूजीसी-नेट उत्तीर्ण हैं एवं उन्होंने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से व्यवसाय प्रबंधन में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।

उनकी रुचि के प्रमुख क्षेत्र उद्यमिता एवं लघु उद्योग, समग्र गुणवत्ता प्रबंधन (टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट) तथा विपणन हैं। उन्हें

भारत एवं विदेशों में कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ-साथ अध्यापन एवं अनुसंधान का 27 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने क्यूएस रैंक प्राप्त किंग अब्दुलअजीज विश्वविद्यालय, जेद्दा में अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन कार्यक्रम (अटइअ, एदवक्र एवं अअउरइ मान्यता प्राप्त) में अध्यापन कार्य किया है। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में अनेक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं तथा यूजीसी एवं सऊदी अरब के उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारत एवं विदेशों में लघु उद्योग उद्यमियों, शिक्षकों एवं प्रबंधन पेशेवरों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया है। वर्ष 2018 में उन्हें व्यवसाय प्रशासन में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए प्रतिष्ठित देवांग मेहता राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालयों के लिए बीबीए पाठ्यक्रम विकसित करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया है।

प्रो.प्रमोद कुमार यादव को मिला अल्ट्रासोनिक सोसायटी ऑफ इंडिया का प्रतिष्ठित डॉ.एस.पार्थसारथी मेमोरियल अवार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के भौतिकी विभागाध्यक्ष एवं प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव को अल्ट्रासोनिक सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रतिष्ठित डॉ. एस. पार्थसारथी मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें भौतिकी एवं अल्ट्रासोनिक्स के क्षेत्र में गत वर्ष प्रकाशित उनके उत्कृष्ट एवं शोधपरक कार्य के लिए प्रदान किया गया। इस सम्मानित शोध कार्य में उनके शोधार्थी प्रशांत श्रीवास्तव सह-लेखक रहे, जिन्हें भी इस उपलब्धि में सहभागी बनाया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार चेन्नई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ह्लअल्ट्रासोनिक्स एंड मैटेरियल साइंस फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजीह्व के दौरान प्रदान किया गया।

सम्मेलन के अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने आमंत्रित कीनोट वक्ता के रूप में अपने नवीन एवं नवाचारी शोध कार्यों पर

व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसे देश-विदेश से आए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं द्वारा अत्यंत सराहना मिली।

वर्तमान में प्रो. यादव विश्वविद्यालय में भौतिकी विभागाध्यक्ष, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के निदेशक तथा अधिष्ठाता, छात्र कल्याण के पद पर कार्यरत हैं। उनके कुशल नेतृत्व, अकादमिक दृष्टि एवं शोधोन्मुख मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में अनुसंधान, नवाचार एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को निरंतर नई दिशा मिल रही है।

उल्लेखनीय है कि अल्ट्रासोनिक सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान किया जाने वाला डॉ. एस. पार्थसारथी मेमोरियल अवार्ड देश के चुनिंदा एवं विशिष्ट वैज्ञानिकों को ही दिया जाता है, जिन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं प्रभावशाली योगदान दिया हो। प्रो. यादव को यह सम्मान मिलना न केवल वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण जौनपुर जनपद के लिए भी गौरव का विषय है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. वंदना सिंह सहित सभी प्राध्यापकगण ने प्रो. यादव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

समाजवादी विचारों ने उन्हें बनाया छोटे लोहिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आज समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में नगर के होटल रिवर व्यू में महान समाजवादी चिंतक छोटे लोहिया स्व. जनेश्वर मिश्र जी की पुण्यतिथि सादगी के साथ उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में मनाई गई तथा उनके विचारों पर चर्चा करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का पुनः संकल्प लिया। तत्पश्चात एसआईआर कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। पुण्यतिथि कार्यक्रम एवं एसआईआर कार्य की समीक्षा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री विधायक टांडा राममूर्ति वर्मा जी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री विधायक टांडा राममूर्ति वर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जी के जनपद आगमन पर बुके देकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने सदन को कार्यक्रम से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक टांडा राममूर्ति वर्मा ने कहा कि समाजवादी विचारों पर दृढ़ता के कारण स्व जनेश्वर मिश्र जी को छोटे लोहिया की उपाधि मिली आज उनकी पुण्यतिथि पर हम उनको नमन करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का पुनः संकल्प लेते हैं। मुख्य अतिथि ने आगे कहा कि

एसआईआर कार्य में समाजवादी पीडीए प्रहरी कर रहे गंभीर प्रयासः राममूर्ति वर्मा

एसआईआर कार्यक्रम को समाजवादी पार्टी ने गंभीरता से लिया और जमीन पर उतरकर समाजवादी प्रहरियों ने काम किया जो असंभव को संभव बनाने जैसा है। आज भी देश एवं प्रदेश की सरकारों की साजिश के तहत एसआईआर के आंड में एनआरसी करवा रही है जिससे बड़ी संख्या में पीडीए समाज के लोग मतदाता सूची से बाहर हो जाएं, लेकिन समाजवादी प्रहरी ऐसा करने नही देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि स्व. जनेश्वर मिश्र जी समाजवादियों के आदर्श रहे उनके विचार उन्हें सदैव समाजवादियों का आदर्श बनाए रखेंगे। उनके विचारों पर चलने के पुनः संकल्प के साथ उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

एसआईआर कार्य को जनपद में समाजवादी प्रहरियों के सहयोग से

शत प्रतिशत सफलता पूर्वक कराया जा रहा है इस कार्य के लिए समाजवादी पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ता और जनता जनार्दन के सहयोग की सराहना करते हैं।

युवा मतदाता जो 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष के हो रहे हैं उनका फॉर्म 6 बड़ी संख्या में बनवाने का कार्य करेंगे।

छूटे और कटे हुए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जोड़ने के लिए भी फॉर्म 6 बड़ी संख्या में भरवाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के बीच में ही समाजवादी पार्टी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक यादव एवं विजय बहादुर गौतम जी को अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, सुशील दुबे, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपचंद राम, ज़िला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, महेंद्र प्रताप यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, राजेंद्र यादव टाइगर, डॉ जितेंद्र यादव, सुरेश यादव, रमापति यादव पूर्व प्रमुख, ज़िला सचिव गण राजदेव पाल, अजय त्रिपाठी, अशोक यादव, जगदीश प्रसाद मौर्य गप्पू, विजय बहादुर गौतम, जगन्नाथ यादव, डॉ शबनम नाज, रत्नाकर चौबे, विधानसभा अध्यक्ष गण रामजतन यादव, वीरेंद्र यादव, निजामुद्दीन अंसारी, रामू मौर्य, नंदलाल यादव, अशोक यादव, दिलीप प्रजापति, शर्मिला रमेश, राम अभिलाष यादव, रजनीश मिश्र ने भी संबोधित किया।

पुण्यतिथि में तथा रक्फ़ समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से मछलीशहर की विधायक डॉ रागिनी सोनकर, पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, संजय सरोज, राजेश यादव राजन, रुखसार अहमद, अनवारूल हक गुड्डु,गुलाब यादव, संजीव साहू,रीठी, भूपेश पाण्डेय, आजाद यादव नेता, सोनी सेठ, सुशीला यादव, अरविंद यादव, विवेक यादव, राहुल त्रिपाठी, देवेंद्र साहू, अरशद अंसारी, धीरज बिंद, धर्मेंद्र सोनकर, बच्चा यादव सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। कार्यक्रम के अंत में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल एवं राष्ट्रीय सचिव राम मूर्ति वर्मा ने पत्रकार बंधुओ से प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

ग्राम माधोपुर काली माता मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य शुरू

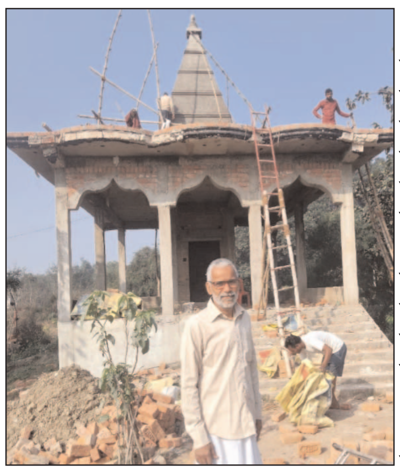

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर ग्राम माधोपुर , पोस्ट बारावां बधवा बाजार, तहसील मछली शहर मे काली मां का निर्माण पंडित शिव शंकर राधेशयाम मिश्रा तथा क्षेत्र के सभी मां के भक्तगणों द्वारा किया जा रहा है। काली मां का बहुत ही प्राचीनतम मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण कब हुआ था । गांव या क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को ज्ञात नहीं है , कहा जाता है कि इस गांव के आजा परपाजा किसी ने पौराणिक मंदिर के विषय में अपने घरवालों या अपने उत्तराधिकारी को बताया नहीं यदि बताया होता तो निश्चित रूप से जानकारी क्षेत्र में व्याप्त होती । अनुमानतः लगाया जाता है कि इसे किसी गांव के मानिंद लोगों ने बनवाया था। परंतु कहानी ही बनकर रह जाती है। कोई ठोस प्रमाण नहीं है। यहां पर यदि गांव में कोई शुभ कार्य होता है तो गांव के लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। और लोग दर्शन करने के पश्चात ही शुभ कार्य करते है। कुल मिलाकर कर देखा जाए तो कम से कम कई सौ वर्ष पहले का तो है ही। मंदिर पूरे गांव व क्षेत्र की धरोहर व शान है। काली माता रक्षा कवच हमेशा ग्रामीण वासियों व क्षेत्रवासियों को मिलता है। यह जीर्णोद्धार काली माता मंदिर सेवा ट्रस्ट के द्वारा प्रारम्भ हुआ है।अब देखते ही देखते ग्रामवासियों का भी सहयोग मिलने लगा है, दूरदराज जैसे गांव के भक्तगण सहयोग कर रहे हैं। यह जानकारी समाज सेवक संजय तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है ।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में जिला अध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम का शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के कुशल नेतृत्व में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष, डा० मुदित चौहान के द्वारा सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, अजीत प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, अजीत प्रजापति का आगमन होने पर प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल द्वारा बुके भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि अजीत प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क पर की जाने वाली छोटी-छोटी लापरवाहिया भी गंभीर एवं जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बन जाती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि प्रायः देखने में आता है कि समूह में चलते समय लोग, विशेषकर छात्राएँ, आपसी बातचीत में व्यस्त रहते हुए सड़क का अधिक भाग घेरकर चलने लगती हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित होती है और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने आगे कहा कि कान में ईयरफोन लगाकर मोबाइल पर बात अथवा संगीत सुनते हुए सड़क पर चलनाअथवा अचानक सड़क पार करना अत्यंत जोखिमपूर्ण है। इस प्रकार की लापरवाही के कारण सामने से या पीछे से आ रहे वाहनों पर ध्यान नहीं रहता, जिससे कई बार बड़ी एवं गंभीर दुर्घटनाएँ घटित हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, हेल्मेट का प्रयोग न करना भी सड़क दुर्घटनाओं में चोट एवं मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। मुख्य अतिथि ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि सड़क पर चलते समय स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा कोई अभियान नहीं बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह अत्यंत चिंतान विषय है कि देश एवं जनपद में प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की असमय मृत्यु हो रही है। उन्होंने भावुक शब्दों में उल्लेख किया कि हमारे महाविद्यालय के एक छात्र की पूर्व में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है, जो हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक एवं चेतावनी स्वरूप है। इसके अतिरिक्त, यह भी प्रायः देखने में आता है कि मेडिकल कॉलेज जौनपुर के मुख्य द्वार के सामने सड़क पार करते समय कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, चिकित्सक एवं मरीज दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है।

प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि एवं संबंधित प्रशासन से निवेदन किया कि मेडिकल कालेज के सामने सड़क पर स्पीड ब्रेकर अथवा ट्रैफिक कंट्रोल की उपयुक्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि तेज गति से चलने वाले वाहनों को नियंत्रित किया जा सके और महाविद्यालय, में आने जाने वाले मरीजों, छात्रों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम का समापन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी के उद्?बोधन के साथ हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि, प्रधानाचार्य, संकाय सदस्य कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी के सहयोग की सराहना की। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा मुख्य अतिथि से चिकित्सालय परिसर एवं अस्पताल भवन के निरीक्षण का विनम्र आग्रह किया गया, जिसे मुख्य अतिथि द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया।इ

हेंकेल और रोटरी की पहलः पीओपी गणेश प्रतिमाओं से बनीं बच्चों की स्टडी टेबल्स

नवी मुंबई। हेंकेल इंडिया ने रोटरी क्लब ऑफ नवी मुंबई झ जॉय ऑफ गिविंग और नवी मुंबई महानगरपालिका (एनएमएमसी) के सहयोग से प्रोजेक्ट हार्मनी के तहत एक प्रभावशाली पर्यावरणीय पहल को जमीन पर उतारा है। इस पहल के जरिए गणेश विसर्जन के बाद बची प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) सामग्री को दोबारा उपयोग में लाकर समाज के लिए उपयोगी संसाधनों में बदला गया। इस पहल के अंतर्गत, गणेश विसर्जन 2025 के बाद नेरुल क्षेत्र से एकत्र की गई पीओपी सामग्री को जमीन और जल स्रोतों में जाने से रोका गया और अधिकृत रीसाइक्लिंग यूनिट में प्रोसेस किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में एनएमएमसी के अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर सहयोग किया। करीब 1,000 किलो पीओपी को रीसाइक्लिंग के जरिए 300 स्टडी टेबल्स में बदला गया, जिन्हें दिघा स्थित एनएमएमसी के एक स्कूल के विद्यार्थियों को प्रदान किया गया। इससे जहां पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में मदद मिली, वहीं छात्रों को लंबे समय तक उपयोगी शैक्षणिक सुविधा भी मिली। इस पहल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हेंकेल इंडिया के कंट्री प्रेसिडेंट एस. सुनील कुमार ने कहा, प्रोजेक्ट हार्मनी हमारे लिए सस्टेनेबिलिटी को जमीन पर उतारने का माध्यम है। पीओपी गणेश प्रतिमाओं को पढ़ाई से जुड़ी उपयोगी संपत्तियों में बदलकर हमने शहरी कचरे की चुनौती का सामुदायिक और पुनःउपयोग आधारित समाधान प्रस्तुत किया है। नुओरेटा के संस्थापक डॉ. बिनिशा देसाई ने कहा, सही सोच और नवाचार के साथ गणेश विसर्जन समाज के लिए दीर्घकालिक लाभ पैदा कर सकता है। जिम्मेदारीपूर्ण रीसाइक्लिंग से भक्ति का प्रभाव त्योहार के बाद भी बना रहता है।

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट स्थित श्री वीर हनुमान मंदिर प्रांगण में श्री ॐ नारायण सत्संग मंडल द्वारा आयोजित नवदिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा वाचन वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक बालव्यास श्री निशांत कृष्ण शास्त्री जी महाराज के श्रीमुख से हो रहा है। कथा के दौरान महाराज श्री ने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य चरित्रों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम त्रेतायुग में भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में अयोध्या के चक्रवर्ती राजा दशरथ के यहां जन्मे। उनका जीवन मयार्दा, कर्तव्य और धर्म पालन का सर्वोच्च आदर्श है। उन्होंने पिता-पुत्र, पति-पत्नी, भाई-भाई तथा प्रजा के प्रति कर्तव्यों का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वापरयुग में विष्णु के आठवें अवतार के रूप में अवतरित हुए, जिनका चरित्र चुलबुलापन, ज्ञान, भक्ति और दिव्य लीलाओं से परिपूर्ण है। श्रीकृष्ण ने अधर्म के विनाश हेतु कंस का वध किया तथा गोकुल-वृंदावन में आनंद और प्रेम का संचार किया। कथा में यह संदेश दिया गया कि यद्यपि श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाएं भिन्न हैं, किंतु दोनों जन का लक्ष्य धर्म की स्थापना और लोक-कल्याण ही था। कथा श्रवण के दौरान बड़ी संख्या में भारी संख्या में श्रद्धालु भक्त भावविभोर होकर धर्म और भक्ति के रस का आनंद ले रहे हैं। सत्संग मंडल द्वारा 23 जनवरी को सायं 4 बजे से सायं 5 बजे तक बच्चों के लिए विशेष सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। जीइसमें 5 से 10 वर्ष के बच्चों के लिए श्रीरामचरितमानस तथा 10 से 20 वर्ष के बच्चों के लिए महाभारत एवं श्रीरामचरितमानस पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता शामिल है। मंडल अध्यक्ष अरविंद शुक्ला, विमलेश मिश्रा, अजय पांडेय, निलेश तिवारी गोपाल, हरिनाथ यादव, संजय पांडेय, प्रीतम यादव, तुकाराम माने, भोलानाथ मिश्रा, डॉ. चंद्रकेश विश्वकर्मा, आदेश मिश्र, आचार्य पंडित हर्षचरित्र पांडेय, मधुसूदन उपाध्याय सहित मंडल के समस्त कार्यकताओं ने जनमानस से इस पावन अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

महिलाओं के लिए घर बैठे सेफ फेशियल हेयर रिमूवल के लिए काई इंडिया का कैन फेस रेजर

मुंबई/नई दिल्ली। काई इंडिया महिलाओं के लिए कैन फेस रेजर पेश करता है, जो फेशियल हेयर रिमूवल को आसान, सेफ और असरदार बनाता है। यह प्रोडक्ट जापानी क्राफ्ट्समैनशिप और ब्रांड के 117 वर्षों से अधिक के अनुभव पर आधारित है। रोजमर्रा के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया यह रेजर त्वचा पर कोमल शेविंग का अनुभव देता है और स्किन को सॉफ्ट, स्मूद और क्लीन महसूस कराता है। कैन फेस रेजर में पीटीएफई क्रोमियम-कोटेड स्टेनलेस स्टील ब्लेड दिया गया है, जो फ्रिक्शन को कम कर स्मूद शेविंग का अनुभव देता है और ब्लेड को लंबे समय तक शार्प बनाए रखता है। इसमें प्रोटेक्टिव स्किन गार्ड और टेक्सचर्ड एंटी-स्लिप हैंडल दिया गया है, जिससे बेहतर कंट्रोल मिलता है। रेजर के साथ एक प्रोटेक्टिव कवर भी मिलता है, ताकि इसे बैग में सुरक्षित रूप से रखा जा सके। ये सभी फीचर्स इसे घर पर रोजमर्रा के इस्तेमाल और ट्रैवल दोनों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। इस प्रोडक्ट के बारे में केइजिरो ताकासागो, मैनेजिंग डायरेक्टर, काई इंडिया ने कहा, ह्लकैन फेस रेजर को हमने सिंपल और भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया है, ताकि महिलाएं व्यस्त सुबहों में भी इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकें। यह बेहद बारीक बालों को भी सावधानी से हटाता है और स्किन को स्मूद महसूस कराता है। काई के प्रोडक्ट्स रोजमर्रा की ग्रूमिंग को आसान बनाते हैं, और हमारा उद्देश्य भी यही है।

प्रापर्टी पर लोन क्यों है भारत का वित्तीय गेम चेंजर?

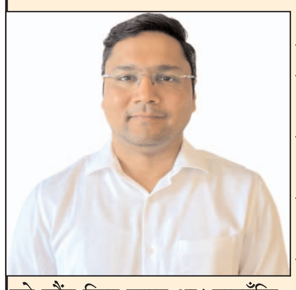

मुंबई। घर खरीदने का सपना हमेशा से हर भारतीय के लिए एक अंतिम लक्ष्य रहा है, जो हमारी सांस्कृतिक आकांक्षा रोटी-कपड़ा-मकान में गहराई से बसा है। पीढ़ियों से, घर को भावनात्मक और वित्तीय सुरक्षा के एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में देखा जाता था—एक ऐसी संपत्ति जिसे बचाकर रखा जाता था और अंततः अगली पीढ़ी को सौंप दिया जाता था। हालाँकि, अब हम इस मानसिकता में एक गहरा बदलाव देख रहे हैं। आज का उपभोक्ता अब अपने घर को एक अचल या डेड असेट के रूप में नहीं देखता; बल्कि वे इसे वित्तीय लाभ उठाने के एक गतिशील इंजन के रूप में देखते हैं। इसी बदलाव ने लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी (एलएपी) को भारत के आधुनिक ऋण ईकोसिस्टम के केंद्र में ला खड़ा किया है। एनबीएफसी सहित सभी ऋणदाता अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए रणनीतिक रूप से गैर-आवासीय सिक्योर्ड प्रॉडक्ट्स की ओर रुख कर रहे हैं, जिसने ऋण बाजार में एलएपी की स्थिति को और मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, होम लोन और एलएपी सहित संपत्ति से जुड़े ऋणों की हिस्सेदारी वितरण में सबसे अधिक रही। इस क्षेत्र में, एक करोड़ रुपये से अधिक के बड़े लोन कुल वॉल्यूम का 21% रहे, जो सुरक्षित ऋण लेने के प्रति स्पष्ट झुकाव को दशार्ता है। होम लोन की संख्या और मूल्य में क्रमशः 10% और 15% की उल्लेखनीय वृद्धि ने संपत्ति-आधारित ऋण के विस्तार को और पुख्ता किया है। नीरज जैन, हेड, लोन अगेंस्ट प्रापर्टी, होम क्रेडिट इंडिया हाल के आंकड़े इस बदलाव की गहराई और पैमाने को दशार्ते हैं। भारत का एलएपी बाजार 2024 में 758 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और 2025 से 2033 के बीच 13.5% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ 2033 तक 2,369 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। यह केवल महानगरों तक सीमित घटना नहीं है। इस विकास का इंजन तेजी से टियर 2 से टियर है।

डॉ. हेमंत सावरा की पहल: बांद्रा-उधना स्पेशल ट्रेन अब रोज चलेगी, हजारों यात्रियों को राहत

पालघर। पालघर लोकसभा सीट के लोकप्रिय सांसद डॉ. हेमंत सावरा की निरंतर और प्रभावी कोशिशों को बड़ी सफलता मिली है। बांद्रा-उधना स्पेशल ट्रेन (09055-56), जो अब तक सप्ताह में केवल पाँच दिन चलती थी, अब नए स्पेशल ट्रेनों के जुड़ने से रोजाना उपलब्ध हो गई है। अब तक गुरुवार और शुक्रवार को ट्रेन सेवा उपलब्ध न होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बोर्डी रोड, घोलवाड़, दहानू रोड, वानगांव, केल्वे रोड, उमरोली, सफाले और वैतरणा जैसे स्टेशनों से यात्रा करने वाले कर्मचारी, मजदूर, व्यापारी, छात्र और दैनिक यात्री असुरक्षा और असुविधा महसूस कर रहे थे।

इस गंभीर समस्या को लेकर सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने रेलवे प्रशासन और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ लगातार संवाद किया। साथ ही इस मुद्दे को संसद में प्रभावी ढंग से उठाया गया। 21 जनवरी 2026 को डीआरएम मुंबई के समक्ष भी यह मांग मजबूती से रखी गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। गुरुवार और शुक्रवार के लिए नई स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है, जिससे बांद्रा-उधना मार्ग पर ट्रेन सेवा अब व्यावहारिक रूप से सातों दिन उपलब्ध हो गई है। मौजूदा ट्रेन सेवाः 09055- बांद्रा से उधना (रविवार से गुरुवार), 09056- उधना से बांद्रा (शनिवार से बुधवार) नई घोषित ट्रेन सेवाः 09035 - बांद्रा से उधना (शुक्रवार, शनिवार), 09036 -उधना से बांद्रा (गुरुवार, शुक्रवार) कर दी गयी है। इन नई ट्रेनों के शुरू होने से विरार से वलसाड के बीच यात्रा करने वाले हजारों कर्मचारियों, श्रमिकों, व्यापारियों और छात्रों में खुशी और उत्साह का माहौल है। इसके साथ ही डॉ. हेमंत सावरा की मांग पर रेलवे प्रशासन ने बांद्राझभिवानी हॉलिडे स्पेशल ट्रेन को पालघर स्टेशन पर हॉल्ट देने की मंजूरी भी दे दी है, जिससे जिले के यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने स्पष्ट किया कि दहानू सबअर्बन रेलवे सेवाओं को और मजबूत व विस्तारित करने के लिए उनके प्रयास लगातार जारी रहेंगे, ताकि भविष्य में यात्रियों को और अधिक सुविधाजनक व सुरक्षित रेल सेवा मिल सके।

नोटिस पर हस्ताक्षर से इनकार करना पड़ा भारी, बरसठी पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत बरसठी थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर संचालित अपराध नियंत्रण अभियान के अंतर्गत की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरसठी थाना क्षेत्र में एक मामले में नोटिस तामील कराने के लिए पुलिस द्वारा चारों आरोपियों को थाने लाया गया था। इस दौरान आरोपियों ने नोटिस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया और पुलिस पर फर्जी मुकदमा लिखने का आरोप लगाने लगे। थाने परिसर में जोर-जोर से चिल्लाकर हंगामा करने के कारण शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और संभावित संज्ञेय अपराध की आशंका के चलते पुलिस ने चारों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) की धारा 170, 126 एवं 135 के तहत कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राज विश्वकर्मा (19 वर्ष) निवासी मैनपुर, शिवम सरोज (18 वर्ष) निवासी मेजा, समीर (19 वर्ष) निवासी मेजा तथा आकाश यादव (18 वर्ष) निवासी काजीपुर, सभी थाना मड़ियाहूं क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों के विरुद्ध पहले से ही थाना बरसठी में मु0अ0सं0 11/2026 के तहत धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3) बीएनएस एवं 3(2)(श्) एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा पंजीकृत है। इस कार्रवाई को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक ओमप्रकाश पाण्डेय, हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव एवं हेड कांस्टेबल अजय कुमार यादव शामिल रहे।

होली होराइजन स्कूल में दादा- दादी,नाना -नानी सम्मान समारोह संपन्न

कल्याण। कल्याण पूर्व स्थित होली होराइजन स्कूल में दादा - दादी, नाना - नानी सम्मान समारोह संपन्न हुआ। सम्मान समारोह में दादा-दादी, नाना नानी के लिए कई मनोरंजक खेल आयोजित किए गए. जिसमें दादा-दादी, नाना - नानी ने बढ़ चढ़कर उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया व कईयों ने मेडल भी जीते. स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. रमाकांत क्षितिज ने बताया कि इस तरह के सम्मान समारोह का आयोजन स्कूल में पिछले 21 वर्षो से प्रतिवर्ष हो रहा है. जिसमें सैकड़ो की संख्या में वरिष्ठ नागरिक भाग लेते हैं. इस बार दादा- दादी, नाना - नानी के लिए कई मनोरंजक खेल के साथ-साथ ' सामूहिक यज्ञ ' का भी आयोजन किया गया. जिसमें विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ दादा-दादी, नाना- नानी और शिक्षकों ने स्वयं के लिए व देश में सुख - शांति समृद्धि हो, इस भाव से यज्ञ में आहुति दी. पूरा स्कूल परिसर यज्ञ की ज्योति से प्रकाशित हो गया व हवन सामग्री से महक उठा. इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. क्षितिज ने कहा कि आज देश में बहुत से बुजुर्गों की हालत, परिवारों में ठीक नहीं रहती. इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए. बुजुर्ग हमारे देश की, परिवार की ' पूंजी ' हैं. वरिष्ठ नागरिक देश की जीडीपी के समान है. इनका रख रखाव उचित तरीके से किया जाना चाहिए. किसी भी सभ्य समाज की स्थिति को, किसी भी परिवार की स्थिति को, उस समाज की, उस परिवार की, बुजुर्गो की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है. बुजुर्गों का घर परिवार में सम्मान हो इसलिए स्कूल में सम्मान करके, बच्चों को और उनके माता-पिता को, प्रेरित करने का प्रयास प्रतिवर्ष स्कूल में किया जाता है. इस सम्मान समारोह में जहां दादा-दादी, नाना- नानी के ऊपर पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया व उनकी आरती उतारी गई, वहीं उनके स्वास्थ्य को लेकर, पारिवारिक कलह को लेकर, उनके आने वाले भविष्य को लेकर, गंभीरता से चर्चा की गई. इस सम्मान समारोह में सैकड़ो की संख्या में दादा-दादी, नाना नानी ने भाग लिया उन सबके प्रति व विद्यालय के शिक्षकों व बच्चों के प्रति विद्यालय के प्राचार्य डॉ रमाकांत क्षितिज ने आभार व्यक्त किया एवं सरस्वती पूजा वसंत के लिए शुभकामनाएं दी.

सुरेश कुमार केराकत बार असोसिएशन के अध्यक्ष तो हीरेन्द्र कुमार महामंत्री निर्वाचित

चुनाव में 153 अधिवक्ताओं ने किया अपने मताधिकार का उपयोग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरूवार को तहसील बार असोसिएशन के हुए चुनाव में सुरेश कुमार अध्यक्ष तो महामंत्री पद पर हीरेन्द्र कुमार चुन लिए गये वहीं कोषाध्यक्ष पद पर सर्वाधिक मत पाकर कृपाशंकर विजयी घोषित हुए है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तहसील परिसर में चुनाव कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें 158 अधिवक्ताओं में से 153 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद? के दिनेश प्रसाद शुक्ला व सुरेश कुमार मैदान में थे। दिनेश प्रसाद शुक्ला ने कुल 75 मत तो सुरेश कुमार ने 77 मत प्राप्त किया, जबकि एक मत खारिज हो गया। इस प्रकार दो मतों से सुरेश कुमार विजयी घोषित हो गये।

वहीं महामंत्री की त्रिकोणीय लड़ाई में जयप्रकाश, राजवन्त, हीरेन्द्र कुमार मैदान में थे। जयप्रकाश ने 35, राजवन्त ने 58 जबकि हीरेन्द्र कुमार ने 60 मत प्राप्त कर विजयी घोषित हुए। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए अरविन्द कुमार भारती 56 तो कृपाशंकर ने 97 मत प्राप्त कर विजयी घोषित हुए। चुनाव सम्पन्न कराने में महेन्द्र शंकर पाण्डेय, बृजेश प्रताप सिंह, जितेन्द्र कुमार यादव, महेन्द्र कुमार व प्रभाकर वर्मा ने अपनी महती भूमिका निभाई। सकुशल चुनाव सम्पन्न कराने पर लोगों ने चुनाव कमेटी को बधाई दी। इस मौके पर मन्धाता सिंह, बीपी सिंह, कुनाल वर्धन, शरद कुमार मिश्रा, आलोक पाण्डेय, आत्मा प्रसाद, उदय राज, लक्ष्मण आदि ने नवचयनित पदाधिकारियों को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर बधाई दी।

थाना चेतगंज पुलिस द्वारा चोरी की स्कूटी के साथ आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस आयुक्त द्वारा कमिश्नरेट वाराणसी में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु दिये गये निदेर्शों में सहायक पुलिस आयुक्त चेतगंज व थाना प्रभारी चेतगंज विजय कुमार शुक्ला के नेतृत्व में आरोपी शुभम विश्वकर्मा पुत्र नीबू लाल विश्वकर्मा निवासी नदेसर थाना कैंट वाराणसी उम्र 26.वर्ष को ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की दीवार के किनारे से गिरफ्तार किया व चोरी की स्कूटी बरामद

प्रभाकर म्हात्रे के आवास पर माघी गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर भव्य गणपति बप्पा व सत्यनारायण भगवान का पूजा रखा गया। मीरा भायंदर मीरा रोड़ में उप मुख्य लेखा परीक्षक अधिकारी प्रभाकर म्हात्रे के घोड़बंदर गांव स्थित उनके आवास पर हर साल की भांति इस साल भी माघी गणेश जयंती के शुभ अवसर पर गणेश प्रतिमा स्थापित कर विधिवत गणपति बप्पा व सत्यनारायण भगवान के पूजा अर्चना किया गया। बप्पा के दरबार में मुझे भी शामिल होने तथा दर्शन कर आशीर्वाद लेने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। छायाचित्रः उत्तरशक्ति

लिपिक के पिता के निधन पर शोक सभा

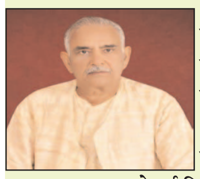

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला क्षेत्र के श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर में लिपिक के पद पर कार्यरत जितेंद्र बहादुर सिंह बबलू के पिता एवं दुमदुमा के पूर्व प्रधान विश्वनाथ सिंह (85) के निधन पर बुधवार को शोकसभा आयोजित हुई। उनके निधन पर गांधी स्मारक विद्यालय संकुल की सभी शाखाओं में शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। पूर्व प्रधान कुछ दिन से अस्वस्थ चल रहे थे जिनका इलाज जिले के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। मंगलवार की रात उनकी हालत अचानक खराब हो गई जिससे उनका निधन हो गया। प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू, स्काउट गाइड जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह, प्राचार्य प्रो. रणजीत कुमार पांडेय, प्रो. अरविंद कुमार सिंह प्रो. राकेश कुमार यादव, प्रधानाचार्य डॉ अजेय प्रताप सिंह, शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह, डॉ लालमणि प्रजापति, संतोष कुमार सिंह, विनय त्रिपाठी, धर्मदेव शर्मा, डॉ. अविनाश वर्मा, अरुण कुमार मौर्य सहित अन्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

सड़क सुरक्षा माह : 300 बच्चों को यातायात का पाठ, 421 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा माहझ2026 के अंतर्गत गुरुवार को व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौश्तुंभ के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात गिरेंद्र सिंह, आरटीओ/प्रवर्तन अधिकारी सत्येंद्र कुमार एवं प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्रा की उपस्थिति में लगभग 300 छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। विद्यालय की रजिस्ट्रार श्रीमती माधुरी सिंह के सहयोग से बच्चों के बीच क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टर प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात नियमों का रोचक तरीके से संदेश दिया गया।

अधिकारियों ने बच्चों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग, यातायात संकेतों के पालन और सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इसी क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन कार्रवाई भी की गई। बिना हेलमेट वाहन संचालन, बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन चलाना, ब्लैक फिल्म का प्रयोग, मॉडिफाइड साइलेंसर, रॉन्ग साइड वाहन चलाने जैसे अपराधों पर कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस एवं थाना पुलिस द्वारा कुल 421 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौश्तुंभ ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही दुर्घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है। ऐसे कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस द्वारा फर्जी/धोखे से शादी कराकर पैसों की ठगी करने वाले गिरोह का भण्डाफोड़

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा फर्जी/धोखे से शादी कराकर पैसों की ठगी करने वाले गिरोह का किया भण्डाफोड़ तथा 04 आरोपियो को किया गया गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के कुशल नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 22/01/2026 को मुखबीर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-27/2026 धारा-316(2), 318(4) बीएनएस में वांछित आरोपी, बृजेश कुमार गौतम पुत्र जितेन्द्र कुमार गौतम निवासी कौडिया थाना शाहगंज जनपद जौनपुर उम्र 42 वर्ष ,आशु गौतम पुत्र सुबाषचन्द्र निवासी खम्हौरा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र 22 वर्ष ,रुकसार पुत्री मो0 फिरोज निवासी मीरापुर थाना जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर ,काजल पुत्री नरेश सिंह निवासी मियापुर थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर को आदमपुर मोड़ मल्हनी को गिरफ्तार किया गया तथा 02 आरोपी मौके से फरार है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा गया।

जौनपुर में ड्यूटी जा रहे स्वास्थ कर्मी की हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी के लैब टेक्नीशियन की केराकत के पास अज्ञात पिकअप की टक्कर से मौत हो गई।वह बाइक से रोज की भांति ड्यूटी पर आ रहे थे। घटना की जानकारी होने पर जहां परिजनों में चीख पुकार मच गई, वहीं सहकर्मियों में मायूसी छा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। चंदौली जनपद के धानापुर निवासी 56 वर्षीय सूर्यपति नाथ सीएचसी डोभी में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थे। वह हाइडील कॉलोनी हुसैनाबाद में परिवार के साथ रहते थे। रोज की भांति बाइक से ड्यूटी पर आ रहे थे।साढ़े नौ बजे के करीब केराकत के पास अज्ञात पिकअप ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके कहने पर एम्बुलेंस से सीएचसी डोभी लाया गया जहां डाक्टर ने देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी होने पर पत्नी सुभागी देवी,बेटा अभिनाश नाथ व बेटी पुष्पा नाथ सीएचसी पहुंचे। सभी दहाड़े मारकर रोने लगें। सहकर्मियों में भी मायूसी छा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की है।

मराठी पहचान का बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी पर मीरा भायंदर में सामाजिक सेवा का महायज्ञ

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के सम्मानित नेता बालासाहेब ठाकरे, जिनकी आवाज से पूरा महाराष्ट्र कांप उठता था, जिन्होंने मराठी लोगों के दिलों में आत्मसम्मान का संचार किया और जिनकी हिंदुत्व की गर्जना ने दिल्ली की सत्ता को हिला दिया, जिनकी जन्म शताब्दी 23 जनवरी, 2026 से शुरू हो रही है। इस ऐतिहासिक अवसर का लाभ उठाते हुए, महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धराशिव जिले की पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने मीरा भायंदर शहर में एक भव्य सामाजिक कल्याण पहल शुरू करने और बालासाहेब के शानदार व्यक्तित्व की गवाही देने वाली एक पूर्ण प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया है। बालासाहेब ठाकरे केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि करोड़ों मराठी लोगों के सहारा थे। उन्होंने मराठी मानुष और हिंदुत्व इन दो शब्दों को एक नई दिशा दी। उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर, न केवल उत्सव मनाया जा रहा है, बल्कि उनके आदर्शों के अनुसार 80 प्रतिशत सामाजिक कार्य और 20 प्रतिशत राजनीति के सूत्र को याद करते हुए मीरा भायंदर नगर में एक माह तक चलने वाला सेवा महाकुंभ भी आयोजित किया गया है। शिवसेना पार्टी द्वारा मीरा भायंदर नगर निगम के माध्यम से कार्यान्वित इन पहलों में समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। मीरा भायंदर नगर के 24 वार्डों में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच, बड़े रक्तदान शिविर, जरूरतमंद नागरिकों को मुफ्त चश्मे का वितरण, दिव्यांगों को मुफ्त व्हीलचेयर का वितरण, आम नागरिकों को विभिन्न प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए विशेष मुफ्त प्रमाण पत्र वितरण शिविर,

शुरू हो रही है। उनकी जन्म शताब्दी हम जैसे साधारण शिवसैनिकों के लिए अपने भगवान की आरती करने का अवसर है। इस अवसर पर, नगर निगम द्वारा मीरा भायंदर शहर में 23 जनवरी से 23 फरवरी के बीच विभिन्न सामाजिक रूप से उपयोगी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही, मैंने नगर निगम को औपचारिक रूप से यह भी अनुरोध दिया है कि मुंबई की तरह मीरा भायंदर शहर के कलादलान क्षेत्र में हिंदू हृदय सम्राट वंदनिया बालासाहेब ठाकरे की पूर्ण प्रतिमा स्थापित की

मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहाः जल्द ही मीरा भायंदर शहर में हिंदू हृदय सम्राट, बालासाहेब ठाकरे की एक भव्य पूर्ण प्रतिमा स्थापित की जाएगी

महिलाओं के लाभ के लिए कार्यक्रम, छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यशालाएं और आधुनिक समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डिजिटल साक्षरता अभियान, नगरव्यापी वृक्षारोपण अभियान आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हुतात्मा चौक से मीरा भायंदर तक पहचान की एक नई पुकार। दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित रीगल सिनेमा क्षेत्र में हिंदू हृदय सम्राट वंदनिया बालासाहेब ठाकरे की प्रतिमा की तरह ही, मीरा भायंदर के भायंदर पूर्व क्षेत्र में आर्ट गैलरी में हिंदू हृदय सम्राट वंदनिया बालासाहेब ठाकरे की एक भव्य प्रतिमा स्थापित करने के लिए नगर निगम को औपचारिक रूप से आवेदन दिया गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्मारक न केवल एक प्रतिमा होगी, बल्कि ऊर्जा का एक ऐसा स्रोत भी होगा जो आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रवाद और मराठी आत्मसम्मान के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, बालासाहेब मेरे लिए सिर्फ एक नेता नहीं थे, वे मेरे अस्तित्व की नींव हैं। आज मैं जो कुछ भी हूँ, केवल उनके विचारों के कारण ही हूं। हिंदू हृदय सम्राट वंदनिया बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी 23 जनवरी से जाए। मीरा भायंदर में स्थापित होने वाली उनकी पूर्ण प्रतिमा केवल एक धातु की मूर्ति नहीं होगी, बल्कि यह हर अन्यायग्रस्त मराठी व्यक्ति और उत्साही राष्ट्रवादी को संघर्ष करने की आशा देगी। यह एक जीवन का स्रोत, साहब के ऋण को इस जीवन में चुकाना संभव नहीं है, लेकिन उनके नाम पर की गई यह जनसेवा उनके चरणों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मंत्री प्रताप सरनाईक ने सभी शिव भक्तों और नागरिकों से इस पहल में भाग लेने की अपील की ताकि यह जन्म शताब्दी वर्ष मीरा भायंदर के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में अंकित हो जाए।

किन्नरों के दो गुटों में मारपीट की घटना आई सामने

मेडिकल में एक किन्नर निकला पुरुष , और सात HIV निकले पॉजिटिव, स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कम

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले में किन्नरों के दो गुटों में मारपीट की घटना हुई थी। पुलिस ने करवाई करते हुए 13 किन्नरों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था, संदेह होने पर सबका मेडिकल करवाया गया। मेडिकल में एक किन्नर पुरुष निकला, और सात एचआईवी पॉजिटिव निकले। इतनी संख्या में किन्नरों के पॉजिटिव मिलने से स्वास्थ्य विभाग के हाथ पैर फूल गए, उनके अन्य साथियों की भी जांच की जा रही हैं। कुछ समय पहले बलिया जिले में भी कुछ किन्नर एचआईवी पॉजिटिव पाए गए थे।

माघी गणेशोत्सव के शुभ अवसर पर नालासोपारा में राजन नाईक की उपस्थिति

नालासोपारा । नालासोपारा वेस्ट में माघी गणेशोत्सव के पावन अवसर पर श्री गणेश के शुभ आगमन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नालासोपारा के आमदार राजन नाईक एवं मनोज बारोट ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। श्री गणेश के दर्शन कर आमदार राजन नाईक ने स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस किया। यह आयोजन माघी गणपति मंडल, नीलमोर गांव, नालासोपारा वेस्ट में नई चुनी गई पार्षद श्रीमती नमिता प्रीतेश पवार तथा नव-निर्वाचित पार्षद जितेंद्र पाटिल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिवगर्जना मित्र मंडल के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने इस समारोह को भक्ति, उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया। इस अवसर पर आमदार राजन नाईक ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं और प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने भगवान श्री गणेश से सभी पर कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की

माघी श्री गणेश विसर्जन के लिए मीरा भायंदर नगर निगम के माध्यम से 11 कृत्रिम झीलों की व्यवस्था किया गया है

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर नगर निगम क्षेत्र में, माघी श्री गणेश के विसर्जन के लिए, नगर आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा के मार्गदर्शन में शहर में कुल 11 कृत्रिम झीलों की व्यवस्था की गई है। माघी श्री गणेश विसर्जन 23 जनवरी 2026 को होगा। मा, उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, सभी प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम के माध्यम से शहर में कुल 11 स्थानों पर कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार, 6 फीट से अधिक ऊंचाई वाली श्री गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए दो स्थानों पर व्यवस्था की गई है, जिनमें भायंदर (पश्चिम) जेटी, भायंदर (पूर्व) जैसल पार्क चौपाटी शामिल हैं। नगर निगम के माध्यम से हाइड्रोलिक क्रेन की भी व्यवस्था की गई है। नगर निगम माघी श्री गणेश विसर्जन के लिए कृत्रिम झीलों की व्यवस्था करेगा। ये झीलें इस प्रकार हैंः 1) उत्तान बीच, 2) सुभाष चंद्र बोस मैदान भायंदर पश्चिम, 3) मुर्धा गावदेवी झील भायंदर पश्चिम, 4) भायंदर पश्चिम जेट्टी, 5) जैसल पार्क चौपाटी भायंदर पूर्व, 6) स्वर्गीय आनंद दिघे मैदान भायंदर पूर्व, 7) गोददेव स्वर्गीय इंदिरा गांधी झील भायंदर पूर्व, 8) शिवर गार्डन, मीरा रोड पूर्व, 9) घोड़बंदर कब्रिस्तान उगाड़ी, 10) साई दत्त झील पेनकर पाड़ा, 11) जरीमारी झील काशिमीरा। प्रत्येक झील में एक कृत्रिम झील होगी और यहां पांच तैराक तैनात किए जाएंगे। नगर निगम की ओर से आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा सभी नागरिकों से इन सुसज्जित कृत्रिम झीलों का उपयोग करने, पर्यावरण के अनुकूल त्योहार मनाने और प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील किए हैं।

शौच के लिए गए व्यक्ति पर जंगली सूअर ने किया जानलेवा हमला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शौच के लिए गए व्यक्ति को जंगली सूअर ने किया जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि सुजानगंज थाना क्षेत्र के नाहर मऊ गांव निवासी सजीवन गौतम उम्र लगभग 45 वर्ष गुरुवार सुबह घर से कुछ दूर शौच के लिए गये हुए थे। इसी दौरान अचानक उनपर जंगली सूअर ने हमला कर घायल कर दिया। परिजन तुरंत घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए यहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर देखकर बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

जामिया कप 2026 क्रिकेट प्रतियोगिता का भाऊपुर में हुआ आयोजन

-मो.जावेद

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड रामनगर क्षेत्र के भाऊपुर गोपालपुर में जामिया कप 2026 प्रतियोगिता का आयोजन , हर साल की तरफ इस साल भी राशिद प्रधान के द्वारा खेल का आयोजन किया गया। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक उत्साह जैसा माहौल रहा। जिसमें आये हु ? सभी दुर-दुर से दर्शक हर साल की तरह इस साल भी दर्शकों का जमावडा लगा रहा । जिसमें राशिद प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया । इस अवसर पर आए हुए सभी खिलाड़ियों को उत्साह को बढ़ा दिया खिलाड़ियों ने खेल को रोमांचक बना दिया। जिसमे आए हुए सभी दूर-दूर से दर्शक आनंद लिया । इस खेल प्रतियोगिता में राशिद प्रधान के साथ सुरेश कश्यप, विमल दुबे, हाजी रिजवान सेठ, अरविंद सिंह, महेंद्र कुमार सिंह,मकसूद आलम, संजय कनौजिया, वसीम अहमद, आदि लोग उपस्थित होकर के खेल प्रतियोगिता का आनंद लिया।

लोढ़ा फाउंडेशन ने जन सेवा में समर्पित की एक और अत्याधुनिक मेडिकल वैन

मुंबई। लोढ़ा फाउंडेशन की ओर से जनसेवा के उद्देश्य से एक और अत्याधुनिक (एडवांस) मेडिकल वैन को सेवा में समर्पित किया गया। इस मेडिकल वैन का शुभारंभ लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्षा माननीय डॉ. मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा जी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय डॉ. मंजू लोढ़ा जी ने कहा कि लोढ़ा फाउंडेशन समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि इससे पहले फाउंडेशन की ओर से दो मेडिकल वैन पहले से ही सेवा में कार्यरत हैं, और अब यह तीसरी नई एडवांस मेडिकल वैन जनसेवा के लिए शुरू की गई है। यह मेडिकल वैन विशेष रूप से झुग्गी-बस्तियों, दूरदराज एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में जाकर प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, परामर्श और आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराएगी। इस वैन के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 100 से 150 से अधिक नागरिकों की जांच, इलाज एवं आवश्यक मेडिकल टेस्ट किए जा सकेंगे। वैन में आधुनिक चिकित्सा उपकरण, प्राथमिक उपचार की सुविधाएँ तथा प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ की व्यवस्था की गई है, जिससे जरूरतमंद नागरिकों को समय पर और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकेंगी। कार्यक्रम में लोढ़ा फाउंडेशन के पदाधिकारी, समाजसेवी, डॉक्टर, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। लोढ़ा फाउंडेशन भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में इसी प्रकार की जनहितकारी योजनाएँ निरंतर चलाता रहेगा।

गहन पुनरीक्षण कार्य का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, अनमैप्ड मतदाताओं से किया संवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में गुरुवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने विधानसभा क्षेत्र 370-मड़ियाहू अंतर्गत खंड विकास अधिकारी कार्यालय रामपुर के सभागार में चल रहे गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों का औचक निरीक्षण किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अनमैप्ड श्रेणी में आए मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए थे। निर्धारित तिथि पर ऐसे मतदाता दस्तावेजों के साथ खंड विकास अधिकारी कार्यालय के सभागार में उपस्थित हुए, जहां उनकी सुनवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अनमैप्ड मतदाताओं से संवाद करते हुए बताया कि उनके बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। यदि 2003 की मतदाता सूची में स्वयं या माता-पिता, दादा-दादी अथवा नाना-नानी का नाम उपलब्ध है तो उसका मिलान कर मैपिंग की जाएगी। इस दौरान मतदाताओं के फोटो भी लिए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईआरओ एवं एईआरओ को निर्देशित किया कि नोटिस निर्गत होने के बाद यदि कोई मतदाता बिना दस्तावेज अथवा अपूर्ण दस्तावेज के साथ मैपिंग के लिए आता है, तो उसकी ग्रुप फोटो तथा उपस्थिति पत्रक का रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखा जाए। इसके पश्चात उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत रामपुर के सुनवाई कक्ष में चल रहे एसआईआर कार्यों का भी निरीक्षण किया, जहां अनमैप्ड श्रेणी के मतदाताओं के दस्तावेजों का मिलान कराया जा रहा था। उन्होंने दस्तावेज मिलान की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपादित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर निर्वाचन कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बीएलओ को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों को कंबल भी वितरित किए गए।

एफएमडी टीकाकरण अभियान को मिली रफ्तार: मंत्री गिरीश चंद्र यादव व डीएम ने दिखाई हरी झंडी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पशुधन को खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए गुरुवार को जनपद जौनपुर में एफएमडी टीकाकरण अभियान की औपचारिक शुरूआत की गई। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र यादव एवं जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने टीकाकरण वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार पशुधन स्वास्थ्य संरक्षण एवं पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। एफएमडी टीकाकरण अभियान पशुओं को गंभीर संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने सभी पशुओं का समय से टीकाकरण अवश्य कराएं। साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण कार्य को पूरी पारदर्शिता, सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराया जाए। जिलाधिकारी डॉ०दिनेश चंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि एफएमडी टीकाकरण अभियान 22 जनवरी 2026 से 10 मार्च 2026 तक संचालित किया जाएगा। जनपद जौनपुर को कुल 6,00,550 डोज वैक्सीन प्राप्त हुई है। अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद के 21 विकास खंडों में 43 टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम में एक उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी/पशु चिकित्सा अधिकारी, एक पशुधन प्रसार अधिकारी तथा दो से तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/पैरावेटो को शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि एफएमडी रोग एक विषाणु जनित अत्यधिक संक्रामक रोग है, जो संक्रमित पशुओं से स्वस्थ पशुओं में तेजी से फैलता है। इस रोग से गोवंश एवं महिषवंश सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार आना, चारा न खाना, मुंह एवं खुरों में छाले पड़ना शामिल हैं।

राहुल एजुकेशन द्वारा सम्मान पाना मेरे लिए गौरव की बात : हसमुख गहलोत

भायंदर। शिक्षा के क्षेत्र में राहुल एजुकेशन जिस तेजी के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है, वह मीरा भायंदर के लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है। मुझे इस बात का गर्व है कि मैं श्री एलआर तिवारी कॉलेज ऑफ लॉ का स्टूडेंट हूं और मीरा भायंदर महानगरपालिका चुनाव में जनता के आशीर्वाद से विजय प्राप्त करने के बाद शिक्षा सम्राट पंडित लल्लन तिवारी जी द्वारा मुझे सम्मानित किया गया। यह मेरे लिए गौरव की बात है। राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद मीरा भायंदर के पूर्व उप महापौर तथा लोकप्रिय नगरसेवक हसमुख गहलोत ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि आज मुझे सम्मान के साथ-साथ शिक्षा सम्राट पंडित लल्लन तिवारी जी का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ इसलिए मेरे लिए यह दोहरी खुशी का क्षण है। लल्लन तिवारी ने शॉल स्मृति चिन्ह तथा पुष्प गुच्छ से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री ज्ञानेंद्र शिवाजी सिंह, जिला सचिव संजय बोरा, देवाशीष शहा, संतोष शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। इसके पहले राहुल एजुकेशन द्वारा अपने स्टूडेंट के रूप में नवनिर्वाचित नगरसेविका नीला सोंस, नवनिर्वाचित नगरसेविका डॉ आभा अमेय पाटिल, नवनिर्वाचित नगरसेविका सुश्री मनस्वी प्रमोद पाटिल तथा नवनिर्वाचित नगरसेवक तारेन वेंचर मेंडोजा का सम्मान किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, स्टेरॉयड के अत्यधिक उपयोग से बढ़ रहा है सेकेंडरी ग्लूकोमा

मुंबई। देशभर के डॉक्टरों ने स्टेरॉयड के बड़े पैमाने पर और बिना डॉक्टरी सलाह के उपयोग पर चिंता जताई है। डॉक्टर के अनुसार, इसकी वजह से सेकेंडरी ग्लूकोमा के मामले बढ़ रहे हैं, जो आँखों के लिए खतरा बन गया है और आँखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन सकता है। लोग आमतौर पर एलर्जी, त्वचा की समस्याओं, सांस से जुड़ी परेशानी और यहां तक कि डॉक्टरी सलाह के बगैर मिलने वाले आई ड्रॉप्स के जरिए स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं, और इसके लंबे समय तक उपयोग से आँखों पर दबाव काफी बढ़ सकता है। आमतौर पर मरीजों को इसकी वजह से ऑप्टिक नर्व को होने वाले नुकसान के बारे में पता भी नहीं चलता। एक अनुमान के मुताबिक, भारत में पहले से ही ग्लूकोमा से पीड़ित लोगों की संख्या 12-13 मिलियन है, जो दुनिया भर के कुल मामलों का लगभग छठा हिस्सा है। दुनिया भर में करीब 75-80 मिलियन लोग ग्लूकोमा से जूझ रहे हैं, और अनुमान है कि साल 2040 तक यह आंकड़ा 110 मिलियन के पार पहुंच जाएगा। ग्लूकोमा पूरी दुनिया में ठीक नहीं होने वाली दृष्टिहीनता का सबसे बड़ा कारण है, इसके बावजूद भारत में सही समय पर लोगों को इसका पता नहीं चल पाता। डॉ. मनीष शाह, हेड क्लिनिकल सर्विसेज, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, मुंबई, के अनुसार हम स्टेरॉयड-जनित ग्लूकोमा के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देख रहे हैं, विशेष रूप से उन मरीजों में जो बिना चिकित्सकीय निगरानी के स्टेरॉयड दवाओं या आई ड्रॉप्स का उपयोग करते हैं।

दिल्ली से वाराणसी के लिए सप्ताह में दो दिन स्पेशल ट्रेन, जानिये रूट और शेड्यूल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। दिल्ली से वाराणसी के लिए दो दिन स्पेशल ट्रेनों का संचोलन किया जाएगा। यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी। इससे यात्रियों को सहूलियत होगी। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए सप्ताह के अंत में स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली से ट्रेन 23 और 25 जनवरी को वाराणसी आएगी। वहीं वाराणसी से 24 और 26 जनवरी को दिल्ली जाएगी। ट्रेन संख्या 04024/04023 दिल्ली से शाम 7.25 बजे चलेगी और गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ, रायबरेली होते हुए सुबह 9.40 बजे वाराणसी रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन शाम 6.35 बजे चलेगी और सुबह 8.50 बजे दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।